NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 14 अंकः 85 लखनऊ, रविवार 10 नवंबर 2024 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

आकांक्षा हाट महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी प्रतिभा और योगदान को सम्मानित करने का एक सामूहिक प्रयास – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय आकांक्षा हाट का शुभारम्भ किया

लखनऊ। ुख्यमंत्री आज राजधानी में आकांक्षा हाट के शुभारम्भ कार्यक्रम के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय आकांक्षा हाट का शुभारम्भ किया और उत्तर प्रदेश की पहली डबल डेकर ई0वी0 बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस वातानुकूलित नगर बस सेवा की प्रथम यात्रा आकांक्षा दीदियों और छात्राओं ने की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षा समिति के तत्वावध ाान में उत्तर प्रदेश की पहली डबल डेकर ई0वी0 बस का आज शुभारम्भ हुआ है। उन्होंने घोषणा की कि डबल डेकर ई0वी0 बस में महिला यात्रियों को टिकट में 50 प्रतिशत की छूट और शनिवार को महिलाओं के लिए हैरिटेज टूर हेतु टिकट की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। प्रदेश सरकार के प्रयासों से उत्तर

प्रदेश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट निरन्तर मजबूत हो रहा है। हिन्दुजा ग्रुप लखनऊ में इलेक्ट्रिक व्हिकल का एक प्लाण्ट स्थापित कर रहा है, जो बहुत शीघ्र प्रोडक्शन का कार्य प्रारम्भ कर देगा। इस प्लाण्ट के क्रियाशील होने से लोगों को रोजगार मिलेगा, ट्रांसपोर्ट की सुविधा में वृद्धि होगी तथा पर्यावरण को बचाने में भी मदद मिलेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षा समिति की स्थापना वर्ष 1987 में की गयी थी। यह समिति विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित समुदायों की महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। आकांक्षा समिति ने महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ अनेक रचनात्मक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। इनमें आकांक्षा दीदी की शुरुआत एक प्रशंसनीय कदम है।मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूह महिला स्वावलम्बन का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूह का बेहतरीन उदाहरण है। श्रीमती रचना पाल व उनकी सहयोगियों द्वारा बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर को सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। 05 महिलाओं से शुरू हुए इस समूह से वर्तमान में 71 हजार महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इस समूह से जुड़ी महिलाएं प्रतिमाह 08 से 10 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। समूह का सैकड़ों करोड़ रुपये का टर्नओवर है। इस समूह की महिलाएं सामान्य ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़ी हुई हैं, जो बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं। इसी प्रकार के समूह प्रदेश के अन्य जनपदों में भी बन सकते हैं। इसके लिए राज्य सरकार ने 05 नये क्षेत्रों को धनराशि उपलब्ध करायी है। लोग इनसे जुड़कर अपने कार्यों को आगे बढ़ा सकते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रोडक्ट की क्वालिटी, ब्राण्डिंग, पैकेजिंग, डिजाइनिंग, मार्केटिंग व एक्सपोर्ट को लेकर कुछ नया काम हो सकता है। आकांक्षा समिति का मार्गदर्शन महिला स्वयं सहायता समूहों को जनपदों में भी प्राप्त हो, तो बहुत अच्छा कार्य हो सकता है। महिला स्वयं सहायता समूहों के प्रोडक्ट या ओ0डी0ओ0पी0 काफी बड़े पैमाने पर प्रदेश में नये महिला स्वयं सहायता समूहों को रोजगार के सृजन और स्वावलम्बन की ओर अग्रसर करने में सहायक हो सकते हैं।

हिमाचल के राज्यपाल ने किया नीरजा माधव की तीन पुस्तकों का लोकार्पण, बोले- समृध्दि के लिए जरूरी है राष्ट्रवाद

संवाददाता।

वाराणसी। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला का कहना है किसी भी राष्ट्र की उन्नति और समृद्धि के लिए आवश्यक है कि उसके नागरिक अपने भीतर राष्ट्रवाद की भावना को सतत जीवंत रखें। वे यहां प्रख्यात लेखिका डा. नीरजा माधव की तीन पुस्तकों के लोकार्पण समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधि ात कर रहे थे। कमिश्नरी सभागार, वाराणसी में डॉ. नीरजा माधव की तीन पुस्तकों का एक साथ लोकार्पण हुआ। पहली पुस्तक अर्थात् राष्ट्रवादजो प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित है और शेष दो पुस्तकें नीरजा माधव रूरचना धर्मिता के सोपानष और दूसरी पुस्तक नीरजा माधव – सृजन का आयतन प्रलेक प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा

प्रकाशित हैं। डॉ. नीरजा माधव के व्यक्तित्व और कृतित्व पर केंद्रित इन दोनों पुस्तकों के सम्पादक हैं– डॉ बेनी माधव मिश्र और डॉ. कवीन्द्र नारायण श्रीवास्तव।षअर्थात् राष्ट्रवाद पुस्तक पर अपने विचार रखते राज्यपाल श्री शुक्ला ने कहा––राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण में साहित्य की अहम भूमिका होती है । अपने व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर जब मनुष्य अपने राष्ट्र को महत्व देता है और उसकी सेवा में जी जान से तत्पर होता है तब राष्ट्रीय चरित्र का प्रादुर्भाव होता है । साहित्य में विचारों को आकार देने, परिवर्तन लाने की क्षमता है और यह क्षमता डॉक्टर नीरजा माधव के लेखन में दिखाई देती है। अपने अध्यक्षीय भाषण में अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रेम नारायण सिंह ने कहा––डॉ. नीरजा माध ाव ने अर्थात राष्ट्रवाद नामक पुस्तक के कुल 14 अध्याय में राष्ट्रवाद के विभिन्न पक्षों पर अत्यंत प्रामाणिकता के साथ सारगर्भित विवरण प्रस्तुत किया है, जो शिक्षा जगत समाज और मानवता के लिए उपयोगी होगा।अपने लेखकीय संबोधन में डॉ. नीरजा माधव ने कहा कि राष्ट्रवाद के अस्तित्व में आए बिना व्यक्ति मानवतावादी नहीं हो सकता और इस प्रकार अंतरराष्ट्रवादी भी नहीं हो सकता। राष्ट्रवाद किसी भी देश के नागरिकों की अपने देश के प्रति एक रागात्मक भावना है, जो उसे उसी तरह उत्तराधिकार में मिली होती है जैसे उसके देश के प्राकृतिक संसाधन, संस्कृति, परंपराएं आदि मिली होती हैं। 21वीं सदी आते–आते कुछ थोड़े से वक्रपंथियों द्वारा राष्ट्रवाद को संकीर्ण और सांप्रदायिक रूप देने की कोशिशें की जाने लगीं, तब मन में आया कि राष्ट्रवाद का मूल स्वरूप नई पीढ़ियों और समाज के सामने आना चाहिए। उसी का परिणाम है– अर्थात् राष्ट्रवाद।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. राम सुधार सिंह ने कहा कि जैसे गंगोत्री से निकलती हुई गंगा पहाड़ों में विविध नामो से प्रवाहित होती हुई मैदानी भाग को हरीतिमा प्रदान करती है, किंतु उसका लक्ष्य तो अनंत महासागर होता है। उसी प्रकार नीरजा जी के साहित्य का उत्स कविता, कहानी, उपन्यास, निबंध जैसी विविध विधाओं के रूप में एक बड़े पाठक वर्ग को आनंद प्रदान करता है किंतु सभी का लक्ष्य राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चिंतन के साथ अपने साहित्य की प्रत्येक धारा को इस महान राष्ट्र की अस्मिता को समर्पित कर देना है। नीरजा जी के लेखन प्रक्रिया का कैनवास बहुत बड़ा है। अपने कथा साहित्य में वे उन विषयों को उठाती हैं जो प्रायरू अब तक अछूते रहे हैं। यमदीप, गेशे जम्पा जैसे उपन्यासों के साथ उनकी तमाम कहानियां इसके प्रमाण हैं। राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चिंतन के संबंध में डॉ माध ाव की अपनी स्पष्ट दृष्टि है।राष्ट्रवाद की पश्चिमी लेंस से संकुचित एवं गलत व्याख्या गंभीर संकट पैदा कर रही है। डॉ.नीरजा की यह कृति मात्र साहित्यिक ही नहीं है,बल्कि यह भारतीय राष्ट्रवाद को समझने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका में है। सभा को विशिष्ट अतिथि पद से संबोधित करते हुए पत्रकार एवं स्वराज एक्सप्रेस राष्ट्रीय चौनल के प्रभारी श्री धर्मेंद्र त्रिपाठी ने डॉ.नीरजा माधव की रचनाओं को सामाजिक मूल्य और राष्ट्र की एकता का आधार बताया जो आने वाली पीढियां को भी अपनी संस्कृति मूल्य और देश के प्रति अगाध ा प्रेम के लिए सदैव प्रेरित करती रहेंगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 01 अरब छः करोड़ की वित्तीय मंजूरी

लखनऊ। प्रदेश के किसानों को कृषि क्षेत्र में जोखिम से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में नेशनल क्रॉप इन्श्योरेन्स प्रोग्राम (प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना) के अन्तर्गत धनराशि रु. 10619.00 लाख (रु. एक अरब छः करोड उन्नीस लाख) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है।

इस संबंध में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उद्देश्य कृषि में टिकाऊ उत्पादन को बढ़ावा देना है। किसानों को अप्रत्याशित घटनाओं के कारण फसल हानिक्षति से पीड़ित किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना। उनकी आय को स्थिर करना ताकि वे खेती में लगे रहें। किसानों को नवीन एवं आधुनिक कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना। कृषि क्षेत्र को ऋण प्रवाह सुनिश्चित करना, जिससे खाद्य सुरक्षा, फसल विविधीकरण और कृषि क्षेत्र की वृद्धि एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के साथ–साथ किसानों को उत्पादन जोखिमों से बचाने में भी मदद मिलेगी।

गोपाष्टमी पर केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने की गौसेवा, किशनगढ़ की माधव गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

एजेंसी।

।केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने शनिवार को संसदीय क्षेत्र में प्रवास के दौरान किशनगढ़ में माध ाव गौशाला बांदरसिंदरी में आयोजित षोपाष्टमी समारोहष में सहभागिता कर गोवंश को फल खिलाकर उनकी सेवा और पूजा की। इस दौरान अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेशचन्द, माबर्ल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन, मुकेश अग्रवाल, नगर

परिषद किशनगढ़ सभापति दिनेश सिंह राठौड़ सहित सामाजिक कार्यकर्ता और गोसेवी आमजन उपस्थित रहें। खेती के कामों में को गौ उत्पादों को बढ़ावा देना जरूरी रू केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गोमाता का स्थान अद्वितीय है, जो हमारी आस्था, कृषि और पर्यावरण संरक्षण की मूलधारा का हिस्सा है। गौ माता का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे, यही कामना है। भागीरथ चौधरी ने कहा कि गौ माता की रक्षा, संरक्षण और उनकी सेवा में सदैव तत्पर रहेंगे।

प्रत्येक परिवार में भगवान बुद्ध का एक अनुयायी होना चाहिए–उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि एक तरफ कई देशों में हिंसा की आग में झुलस रहे हैं। वहीं, हमारे प्रधानमंत्री न केवल शांति का संदेश दे रहे हैं बल्कि उस पर अमल भी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया ने युद्ध दिया और भारत ने बुद्ध दिया। भगवान बुद्ध के उपदेश शांति का मार्ग अपनाने पर जोर देते हैं, उनके उपदेश आज की तनावभरी जिंदगी तथा विश्व शांति के लिए और अधिक प्रसांगिक है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां तथागत के शिष्य होंगे वहां शांति होगी, विपश्यना होगी। उन्होंने कहा, प्रत्येक परिवार में भगवान बुद्ध का एक अनुयायी होना चाहिए। अगर शांति, विकास, रोजगार चाहिए तो बुद्धं शरणं से उत्तम कोई दूसरा मार्ग नहीं है।

मौर्य संस्कृति विभाग उ.प्र. के अधीन अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध ा संस्थान और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 03 दिवसीय इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव के शुभारम्भ के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में शांति एवं सद्भाव बढ़ाने के लिए पालि साहित्य अत्यधिक उपयोगी है। इसलिए विश्व शांति एवं सद्भाव बढ़ाने में पालि साहित्य का योगदान विषय पर यह सम्मेलन रखा गया है। इसमें देश–विदेश से लगभग 800 से अधिक बौद्ध भिक्षु तथा विद्वान भाग ले रहे हैं। भगवान बुद्ध ने अपना उपदेश पालि भाषा में दिया। इस भाषा की प्राचीनता एवं महत्ता को देखते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पालि भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देकर इसका सम्मान बढ़ाया है। कहा कि केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार प्रदेश में भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों जैसे सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कपिलवस्तु, कौशाम्बी और संकिसा का निरन्तर विकास कर रही है। कौशाम्बी में विपश्यना केन्द्र निर्माण की तैयारी प्रगति के अंतिम चरण में है। इसके अलावा मठ और स्तूपों के विकास के साथ–साथ पर्यटक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध ने तीन बातों पर जोर दिया था, जिसमें इच्छाओं का त्याग, क्रोध ा पर नियंत्रण तथा ज्ञान का विस्तार शामिल है। उनके उपदेशों पर अमल करते हुए वन में उतारने की आवश्यकता है। उ0प्र0 सरकार आम लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप हर कदम पर साथ खड़ी है। इस अवसर पर उपस्थित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भगवान बुद्ध ने मानवता, करूणा और प्रेम का जो संदेश दिया है, उसके लिए पालि भाषा को माध्यम बनाया। समय बदलता गया, दिन बदलते गये लेकिन भगवान बुद्ध के मानवता का संदेश पूरी दुनिया में शांति का संदेश दे रहे हैं। पालि भाषा हमारी सांस्कृतिक विरासत है। वैश्विक स्तर पर पालि साहित्य को एकरूपता प्रदान करते हुए भारत में उसे प्रोत्साहित किया जा रहा है। उ0प्र0 सरकार पालि भाषा को जन–जन तक पहुंचाने और लोकप्रिय बनाने के लिए इस पालि साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया है।

पाठक ने यह भी कहा कि भगवान बुद्ध के रास्ते पर चलकर दुनिया में शांति स्थापित की जा सकती है। भगवान बुद्ध ने हमेशा अपने संदेशों में शांति का मार्ग अपनाने पर जोर दिया। उनके बताये हुए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। भगवान बुद्ध से जुड़े महत्वपूर्ण स्थल का प्रचार पूरी दुनिया में किया जा रहा है ताकि विश्वभर के अनुयायी उ0प्र0 की ओर आये। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा इस दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने विशेष परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम में न पहुंच पाने पर अपने वीडियो संदेश के माध्यम से पालि साहित्य सम्मलेन में आये हुए सम्मानित भिक्षुओ, आचार्यों तथा गणमान्य अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि उ0प्र0 की पवित्र धरती पर यह सम्मेलन निश्चित रूप से सफल होगा और सम्मेलन के निष्कर्षों के आधार पर राज्य सरकार पालि भाषा को बढ़ावा देने के लिए कदम उठायेगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने पालि भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देकर विश्वभर के करोड़ों बौद्ध अनुयायियों का मान सम्मान बढ़ाया है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मैं हृदय से आभारी हूँ। बौद्ध विश्वविद्यालय, वियतनाम के कुलपति डॉ. थिच नात तू ने कहा कि पालि भारत की सबसे महत्वपूर्ण शास्त्रीय भाषाओं में से एक है, जो विशेष रूप से थेरवाद बौद्ध धर्म की ध ाार्मिक भाषा के रूप में जानी जाती है। यह एशिया में बौद्ध शिक्षाओं को संरक्षित और प्रसारित करने के लिए एक माध्यम के रूप में उभरी है। भारत सरकार ने इसे शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। इसके लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा, कि केंद्र सरकार ने पालि को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। उसी उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश पहला राज्य है जो पालि भाषा साहित्य सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। विद्वतजन जो चिंतन–मंथन करेंगे, उसे विश्वविद्यालयों में पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता चित्रकूट रामभद्राचार्या विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 शिशिर पांडेय एवं दूसरे सत्र की अध्यक्षता नव नालंदा महाविहार के पूर्व कुलपति प्रो0 रामनक्षत्र प्रसाद ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में भदंत डा. राहुल बोधि ा उपस्थित थे। दोनों सत्रों में लगभग 20 लोगों ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन में प्रमुख रूप से हरगोविंद बौद्ध, कार्यकारी अध यक्ष, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ, फ्रा भदंत डॉ. चरन सुथी थाईलैंड, रविंद्र कुमार विशेष सचिव संस्कृति विभाग, डॉ. राकेश सिंह निदेशक बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ के अलावा सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति देने के लिए किया जा रहे ठोस प्रयास

जर्जर पोल व लाइन, मकानों को छूकर गुजर रहे बिजली के खुले तारों जैसी परिस्थितियों को तत्काल सही करें

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने सभी विद्युत कार्मिकों को अपने क्षेत्र के जर्जर व झुके पोल, ढीली व जर्जर लाइनों तथा आवासीय मकान को छूकर जाने वाली बिजली के खुले तारों की विषम परिस्थितियों को तत्काल सही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली की ऐसी व्यवस्था से विद्युत दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें अधिकांशतः जनहानि, पशुहानि से लेकर आग लगने तक की दुर्घटनाए हो जाती हैं। विद्युत दुर्घटनाए कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह हमारी व्यवस्था की गड़बड़ियों की वजह से हो रही है, जिसे तत्काल सुध ाारा जाना चाहिए। इसके लिए अधिकारी नियमित रूप से अपने क्षेत्रों में जाकर विद्युत व्यवस्था की सघन मॉनिटरिंग करें। सभी डिस्कॉम बिजली चोरी के खिलाफ सघन अभियान चलाए। विद्युत चोरी रोकने के लिए बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जाए। जिन क्षेत्रों में ऑर्गेनाइज्ड चोरी हो रही है, वहां पर सबसे पहले विद्युत चोरी रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। ऐसे में किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक परेशान न किया जाए, जिन क्षेत्रों से बिजली चोरी की शिकायतें प्राप्त होती हैं, उसे चिन्हित कर चोरी रोकने हेतु प्रयास किए जाए। अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे क्षेत्र हैं, जहां 60 प्रतिशत से ज्यादा लाइन हानियां हैं, इसको कम करने के लिए ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करके विद्युत चोरी रोकने हेतु सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक स्वयं प्रयास करें और विजिलेंस व विभागीय स्तर से भी प्रयास तेज किए जाय।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा शनिवार को शक्ति भवन में विद्युत कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग न तो अपने राजस्व हानि की भरपाई कर पा रहा और न ही निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली ही कर पा रहा। उन्होंने विद्युत बकाएदारों से बिजली बिल वसूलने के लिए ठोस रणनीति बनाकर कार्य करने को कहा। विद्युत कनेक्शन देने में निर्धारित मानकों का सही से अनुपालन हो। लाइन और पोल की शिफ्टिंग में भी उपभोक्ताओं के हितों का ध यान रखा जाए। उपभोक्ताओं की समस्याओं की अनदेखी न करें, सभी कार्मिक उपभोक्ताओं से शालीनता से व्यवहार करें। उपभोक्ताओं को समय से सही बिल मिले, यह सुनिश्चित किया जाए, जहां पर भी गलत बिल की शिकायत आए वहां कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विगत दो महीने में गलत बिलिंग एवं उपभोक्ताओं के हितों के विरुद्ध कार्य करने के आरोप में पूर्वांचल डिस्कॉम के 200 संविदा कर्मियों को बर्खास्त किया गया। उन्होंने सखध्त चेतावनी दी कि उपभोक्ताओं को सुविधाएं देने के मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अनुरक्षण कार्यों के लिए शटडाउन लेने संबंधी सूचना उपभोक्ताओं को पहले से ही देने को कहा, इससे उपभोक्ताओं को परेशानी नहीं होगी।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने व सुदृढ़ीकरण के कार्यों में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। व्यापक स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा। आने वाले समय में सभी उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिलेगी। साथ ही विद्युत् ढांचे की मजबूती से प्रदेश का भी ते से विकास होगा। केंद्र की आरडीएसएस योजना से सभी क्षेत्रों में बिजली के जर्जर पोल, जर्जर लाइन को हटाया जा रहा है। उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि की जा रही है। इसके लिए विद्युत कार्मिक सतत प्रयास कर रहे हैं। वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश की विद्युत व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है, जिससे हम प्रत्येक क्षेत्र को भरपूरविद्युत आपूर्ति दे पा रहे हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से भी विद्युत बिलों को समय से भुगतान करने तथा जरूरत के मुताबिक विद्युत प्रयोग की आदत बनाने का आग्रह किया।पावर कारपोरेशन के अध यक्ष डॉ० आशीष कुमार गोयल ने ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्तता को रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुरक्षण कार्यों हेतु सभी क्षेत्रों को पर्याप्त ध ानराशि दी गई है। ऐसी स्थिति में ट्रांसफार्मर की क्षतिग्रस्तता जहां बढ़ेगी, वहां कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में विद्युत राजस्व वसूलने में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है वहां जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता अपने क्षेत्र में जिम्मेदारी लें और बेहतर परिणाम दें। बैठक में दक्षिणांचल, मध्यांचल, पूर्वांचल तथा केस्को में भी विद्युत कार्यों में सुधार के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि लाइन हानिया

कम करने और बिजली बिलों की वसूली में ते लाए।

आज की समीक्षा बैठक में अध्यक्ष यूपीपीसीएल डॉव आशीष कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक पंकज कुमार, सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक तथा मुख्यालय के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

देश को आगे बढ़ाने के लिए हम सबको अच्छी कृतियों के प्रति आग्रही बनना पड़ेगा – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 'गोमती पुस्तक महोत्सव' के तृतीय संस्करण का उद्घाटन किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ–साथ बच्चों को ऐसी पुस्तकें दें, जो उनके मन में नए भाव को जागृत कर सकें। छात्र–छात्राओं को पुस्तकों का अध्ययन तथा मनन कर अच्छी बातों को अपने जीवन में उतारने का कार्य करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि 'व्हेन सिटीजंस रीड द कंट्री लीड्स' अर्थात् जब लोग पढ़ते हैं, तो देश आगे बढ़ता है। देश को आगे बढ़ाने के लिए हम सबको अच्छी कृतियों के प्रति आग्रही बनना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री आज गोमती रिवर फ्रंट पर 'गोमती पुस्तक महोत्सव' के तृतीय संस्करण का उद्घाटन करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इसके पूर्व उन्होंने पुस्तकों के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा बच्चों से संवाद कर उन्हें पुस्तकें व चॉकलेट भेंट कीं। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में सभी लोग स्मार्टफोन जैसी युक्तियों के पराधीन हो चुके हैं। पहले तकनीक का उपयोग मनुष्य करता था, अब तकनीक मनुष्य का उपयोग कर रही है।

युवाओं की 24 घंटे की दिनचर्या में औसतन 06 घण्टे स्मार्टफोन अथवा किसी अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यतीत होते हैं। युवा अपने जीवन का लगभग एक चौथाई हिस्सा यदि किसी अन्य सार्थक कार्य में लगायें, तो यह उसके स्वास्थ्य व देश तथा समाज के लिए उपयोगी हो सकता है। यही कारण है कि अच्छे लेखन तथा लेखकों के प्रति आम जनमानस का रुझान कम होता जा रहा है। टेक्नोलॉजी का उपयोग करना अच्छी बात है लेकिन हम टेक्नोलॉजी के दास बन जाएंगे, तो यह देश व समाज के लिए उचित नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश इस दृष्टि से बहुत सौभाग्यशाली है कि आम

जनमानस की सुविधा हेतु वैदिक संस्कृत को व्यावहारिक संस्कृत का स्वरूप प्रदान करने वाले महर्षि वाल्मीकि ने उत्तर प्रदेश की धरती पर जन्म लिया। उन्होंने रामायण के रूप में दुनिया का पहला महाकाव्य रचा था। समय के अनुरूप संस्कृत के अतिरिक्त अन्य भाषाओं में भी साहित्य का सृजन किया गया। गोस्वामी तुलसीदास जी ने जब रामायण की रचना संस्कृत में करना प्रारम्भ किया, तो वह जितना लिखते थे, उतना गायब हो जाता था। कहा जाता है कि हनुमान जी ने उन्हें दर्शन देते हुए कहा कि रामायण की रचना स्थानीय भाषा में करें। तब उन्होंने श्रीरामचरितमानस की रचना अवधी भाषा में की। आज प्रत्येक घर में श्रीरामचरितमानस का पाठ अवधी भाषा में किया जाता है। हमें कालजयी रचनाओं को आगे बढ़ाने के लिए लेखकों को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ आम जनमानस को भी जागरूक करना चाहिए। कालजयी रचनाएं लिखने वाले लेखकों के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। उनकी कृतियों को घर–घर तक पहुंचाने का कार्य किया जाना चाहिए। भारत की परम्परा इस कार्य के साथ सदैव जुड़ी रही है। पाठकों को इस कार्य के साथ जोड़ने के लिए तैयार होना होगा। चिंतन की परम्परा को विकसित करना होगा। लेखकों को बच्चों, युवाओं तथा वृद्धजन आदि से सम्बन्धित अलग–अलग विषयों पर कालजयी रचनाएं लिखनी पड़ेंगी। पाठकों की रुचि का पूरा ध्यान रखना होगा। एक समय था जब लोग मोटे–मोटे ग्रंथ खरीदते थे। आज के समय में लोगों को कम पेज की रचनात्मक कृतियों को रोचक तरीके से उपलब्ध कराने पर ध्यान देना होगा। उन्होंने लेखकों, समाज के सुधीजनों तथा नेतृत्व वर्ग से लेखन कार्य का आह्वान करते हुए कहा कि इससे आने वाली पीढ़ियों तथा समाज को मार्गदर्शन प्राप्त हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी उस महान परम्परा के वारिस हैं, जहां युद्ध भूमि में श्रीमद्भगवद्गीता के रूप में सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ की रचना की जाती है। 5,000 वर्षों से श्रीमद्भगवद्गीता हम सभी के लिए प्रेरणा का केन्द्र बनी हुई है। कुरुक्षेत्र धर्म क्षेत्र हो गया। आज भी प्रत्येक सनातन धर्मावलम्बी कुरुक्षेत्र जाकर प्राचीन कूप में स्नान करने की इच्छा रखता है। भारत की परम्परा प्राचीन काल से ही ज्ञान के प्रति आग्रही रही है। यह परम्परा मूल रूप से श्रवण, मनन, और निदिध्यासन की है। अर्थात् सुनना, मनन करना तथा सद्विचारों का अपने जीवन में आचरण करना। श्रीमद्भागवतगीता में व्यक्त किया गया 'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' का भाव हम सबको प्रेरणा प्रदान करता है। एक कालखण्ड के बाद हमारी ऋषि परम्परा को इस बात का एहसास हुआ होगा कि एक समय ऐसा भी आएगा, जब लोग इस परम्परा के प्रति आग्रही नहीं बन सकेंगे, तो लखनऊ के समीप स्थित सीतापुर के नैमिषारण्य में भारत की वैदिक ज्ञान की परम्परा को हजारों ऋषि मुनियों ने अपने चिंतन तथा मनन से लिपिबद्ध किया था। परिणामस्वरूप नैमिषारण्य एक तीर्थ के रूप में विकसित हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोमती केवल नदी नहीं है, बल्कि यह एक संस्कृति भी है। देश में नदियां संस्कृति के रूप में मान्य रही हैं। हम सभी ने उस संस्कृति को सभ्यता के साथ जोड़ा है। दुनिया की सभी प्राचीन संस्कृतियां किसी न किसी नदी के तट पर विकसित हुई हैं। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में लखनऊ विकास प्राधिकरण तथा जिला प्रशासन के सहयोग से लखनऊ की जीवनधारा गोमती नदी के तट पर गोमती पुस्तक महोत्सव के तृतीय संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। इस पुस्तक महोत्सव का आयोजन 09 से 17 नवम्बर, 2024 तक किया जाएगा। नेशनल बुक ट्रस्ट ने प्रदेश सरकार के साथ मिलकर यह अच्छी पहल की है। इस पहल को घर–घर तक पहुंचाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ के साथ–साथ प्रदेश के सभी मण्डल मुख्यालयों पर नेशनल बुक ट्रस्ट के इस प्रयास को आगे बढ़ाना होगा। जिला प्रशासन प्रयास करे कि इस पुस्तक महोत्सव में अगले 09 दिनों तक लखनऊ की प्रत्येक संस्था की उपस्थिति हो। जो भी व्यक्ति पुस्तक महोत्सव में आएं अपनी रूचि के अनुसार किसी न किसी पुस्तक का क्रय अवश्य करे। यहां उन्हें अपनी रूचि पर टिप्पणी भी देनी चाहिए।

भाजपा में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से होता है संगठनात्मक चुनाव– रामशंकर कठेरिया

प्रयागराज(आरएनएस)। संगठनात्मक चुनाव के तहत संगठन महापर्व बैठक जिला कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि एवं प्रयागराज महानगर के जिला चुनाव अधिकारी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामशंकर कठेरिया ने कहा कि भाजपा में लोकतांत्रिक तरीके से बूथ से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का चुनाव होता है। संगठन का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। सिविल लाइन स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित हुई कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते एवं संगठनात्मक चुनावी प्रक्रिया बताते हुए उन्होंने कहा कि संगठन में सभी जातियों का प्रतिनिधित्व हो ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए। सबसे पहले बूथ स्तर पर चुनाव कराया जायेगा जिसमें बूथ अध्यक्ष से लेकर बूथ समिति तक का गठन होगा। बूथ समिति में 11 लोग होंगे। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर गठन करते समय जातीय समीकरण का ध्यान रखा जाए। 30 तारीख तक हर हाल में बूथ समितियों का गठन कर लेना है। उसके बाद जिला का चुनाव होगा। प्रभावशाली सक्रिय कार्यकर्ताओं को बूथ अध्यक्ष के लिए प्राथमिकता दी जाय। संगठन चुनाव की जानकारी देते हुए रामशंकर कठेरिया ने बताया कि 15 नवंबर तक सभी मंडलों में मंडल कार्यशाला संपन्न होनी है। 30 तारीख तक हर हाल में बूथ समितियों का गठन कर लेना है। प्रभावशाली सक्रिय कार्यकर्ताओं को बूथ अध्यक्ष के लिए प्राथमिकता दी जाय। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता संगठन के निर्णय को सर्वोपरि मानकर संगठन के लिए आजीवन काम करता है यही उसकी पहचान है।

मंडल स्तर पर चुनाव अधिकारियों के नाम की घोषणा

प्रयागराज(आरएनएस)। संगठनात्मक चुनाव के तहत प्रयागराज महानगर के सभी 15 मंडलों के चुनाव अधिकारियों की घोषणा कर दी है जो मंडल स्तर पर चुनाव संपन्न कराएंगे।

उपेन्द्र सिंह को सदर गंगा पट्टी, मृत्युंजय तिवारी सदर यमुना पट्टी, हरीश पासवान को राजरूप पुर, राजेश केसरवानी को खुल्दाबाद, अर्चना शुक्ला प्रीतम नगर, मनोज कुशवाहा को वेणी माधव, अरुण पटेल भारद्वाज, नवरत्न कत्याल शिवकुटी, नरेश कुंद्रा विश्वविद्यालय, रवि केसरवानी को सिविल लाइन, गीता विश्वकर्मा को चौक, संजय श्रीवास्तव को मुट्ठीगंज, संजय सिंह मीरापुर, रमेश पासी कीडगंज तथा सचिन जायसवाल को नैनी मंडल का चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

कार्यशाला का संचालन कुंज बिहारी मिश्रा ने किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, देवेश सिंह, अनीता त्रिपाठी, रमेश पासी, रवि केसरवानी, मृत्युंजय तिवारी, राजेश पटेल, मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, राम जी शुक्ला, सुमित वैश्य, विजय श्रीवास्तव, दीप द्विवेदी, कुलदीप मिश्रा, प्रशांत शुक्ला, राकेश भारती, किरन जायसवाल, अपूर्वा चंद्रा, राजेश गोंड, आनंद दुबे आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य– अरशद अली

प्रयागराज(आरएनएस)। अल्पसंख्यक कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अरशद अली ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के अल्पसंख्यक दर्जे के पक्ष में फैसला देने का स्वागत किया है। अरशद अली ने कहा कि 2019 में सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार ने हलफनामा देकर कहा था कि एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा नहीं दिया जा सकता। जबकि पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह की कांग्रेस नीत यूपीए सरकार ने एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा देने की वकालत की थी। उन्होंने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने कांग्रेस के स्टैंड को वैधानिक तौर पर सही साबित कर दिया है। उन्होंने कहा है कि इस फैसले के बाद संविधान का अनुछेद 30, जो अल्पसंख्यक वर्गों को अपने शैक्षिक संस्थानों को निर्मित और संचालित करने का अधिकार देता है, की अक्षुणता पर भी किसी तरह का भ्रम नहीं रह जाता है। शहर अध्यक्ष अरशद अली ने कहा कि आज के फैसले में सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि श्संविधान के पहले के और उसके बाद के जो इरादे हों उनके बीच अंतर अनुच्छेद 30(1) को कमजोर करने के लिए नहीं किया जा सकताश्, भाजपा और आरएसएस के उस तर्क को खघरिज करता है जिसमें एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे को इस आधार पर छीनने की साजिश रची जा रही थी कि संविधान लागू होने से पहले अल्पसंख्यक समुदाय ने इसे स्थापित किया था इसलिए संविधान लागू होने के बाद यह दर्जा नहीं रह सकता।

बदल रहा है महाकुंभ में जन–आस्था के सबसे बड़े आकर्षण अखाड़ों का स्वरूप

महाकुंभ में अखाड़ों में पर्यावरण संरक्षण का एजेंडा हुआ शामिल

प्रयागराज। महाकुंभ में जन आस्था का सबसे बड़ा आकर्षण यहां आने वाले हिंदू सनातन धर्म के 13 अखाड़े और उनका शाही स्नान होता है। धार्मिक परम्परा का अनुगामी बनकर आगे बढ़ रहे सनातन धर्म के इन अखाड़ों में भी धीरे धीरे बदलाव हो रहा है।महाकुंभ में हिंदू सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करने वाले अखाड़ों में पर्यावरण संरक्षण का एजेंडा शामिल हो गया है। प्रदेश की योगी सरकार के कुंभ आयोजन से जुड़े दृष्टिकोण की प्रेरणा ने अखाड़ों के बदलाव में भूमिका निभाई है। प्रयागराज महाकुंभ को प्लास्टिक फ्री और ग्रीन कुंभ के रूप में आयोजित करने का योगी सरकार ने संकल्प लिया है। एक तरफ जहां कुंभ मेला प्रशासन इसके लिए निरंतर प्रयत्न कर रहा है तो वहीं दूसरी तरफ अखाड़ों और संतों के महाकुंभ के एजेंडे में भी सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के साथ पर्यावरण संरक्षण का एजेंडा शामिल हो गया है। निरंजनी अखाड़े के प्रयागराज स्थित मुख्यालय में 5 अक्टूबर 2024 को आयोजित हुई अखाड़ा परिषद की बैठक में पारित संकल्प प्रस्ताव में पर्यावरण संरक्षण भी एक बिंदु था। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी बताते हैं कि प्रकृति हैं तो मनुष्य है । इसलिए प्रकृति को बचाए रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण का विषय महत्वपूर्ण है। महाकुंभ में इस बार अखाड़ों के संत भी लोगों को इसके लिए जागरूक करेंगे। इसके अलावा महाकुंभ में संतों और श्रद्धालुओं से प्लास्टिक और थर्मोकोल के बर्तनों के बजाय दोना पत्तल और मिट्टी के बर्तनों को बढ़ावा देने की अपील की गई है और इसके लिए योजना बनाई जा रही है।

आदि शंकराचार्य ने बौद्धिक और सैन्य भावना से लैस ब्राह्मण और क्षत्रिय परिवारों से तरुण युवाओं को एकत्र कर राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा के लिए जो सेना तैयार की उन्हीं से 13 अखाड़ों का अस्तित्व सामने आया। अपनी धार्मिक परम्परा के अनुसार लंबे समय से सनातन धर्म के ये अखाड़े अपनी धार्मिक यात्रा तय कर रहे हैं। योगी सरकार के 2019 के भव्य, दिव्य और स्वच्छ कुंभ के आयोजन में अखाड़ों में बदलाव की बयार देखने को मिली है। अखाड़ों में समाज के वंचित और दलित वर्ग से आने वाले साधु संतो को भी अखाड़ों में बड़े पदों पर आसीन किया गया। सबसे पहले दलित समाज से आने वाले जूना अखाड़े के संत कन्हैया प्रभु नंद गिरी को 2019 में जूना अखाड़े का महा मंडलेश्वर बनाया गया। इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए इस महाकुंभ में 450 से अधिक वंचित और दलित समाज से आने वाले संतों को इस बार महा मंडलेश्वर, महंत और मंडलेश्वर जैसी उपाधियां दी जाएंगी। जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरी की अगुवाई में इस साल महाकुंभ में जूना अखाड़े में 370 दलित महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत और पीठाधीश्वर बनाया जाना है जिसकी सूची तैयार है। श्री पंचायती अखाड़ा उदासीन निर्वाण के श्री महंत दुर्गादास बताते हैं कि उनके अखाड़े में भी इस महाकुंभ में वंचित और दलित समाज से सम्बन्ध रखने वाले साधुओं को उच्च स्थान देने की तैयारी है। श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी के सचिव महंत जमुना पुरी का कहना है अखाड़ों में आए इस बदलाव के पीछे उत्तर प्रदेश के संत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वंचित समाज से आने वाले महात्माओं को भी योग्यतानुसार अखाड़ों में सम्मानित करने और उन्हें पदासीन करने की प्रेरणा भी है।

दिव्यांग बच्चों का एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। समेकित शिक्षा के अंतर्गत जनपद प्रयागराज में परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज प्रवीण कुमार तिवारी के कुशल निर्देशन में आज किया गया। एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों को ज्ञानवर्धक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर इत्यादि से परिचित कराया गया जिसमें आनंद भवन ,तारामंडल, इलाहाबाद संग्रहालय, चंद्रशेखर आजाद पार्क, विक्टोरिया पार्क, खेलकूद पार्क इत्यादि का भ्रमण कराया गया।

एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम में पांच दिव्यांग बच्चों जिनका जन्मदिन आज 9 नवंबर को था जिसमें विकास खण्ड हंडिया के हर्षित, धनूपुर के विशाल, कौड़िहार द्वितीय के नित्या सिंह चाका के तारीफ बानो, नगर क्षेत्र के कात्यायन कुशवाहा का जन्मोत्सव कार्यक्रम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में इलाहाबाद संग्रहालय में मनाया गया। कार्यक्रम में राजेंद्र प्रसाद, निदेशक इलाहाबाद संग्रहालय, जिला दिव्यांग अधिकारी अशोक गौतम, डॉ सुशील शुक्ला कोऑर्डिनेटर इलाहाबाद संग्रहालय, राजीव तिवारी जिला समन्वय मध्यान भोजन, विकास पांडे जिला समन्वय समेकित शिक्षा, खण्ड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र श्रीमती प्रतिभा सिंह, स्काउट गाइड टीम, फिजियोथैरेपिस्ट एवम् स्पेशल एजुकेटर उपस्थित रहे।

प्रयागराज में 45 दिनों तक नहीं लिया जाएगा टोल टैक्स

प्रयागराज(आरएनएस)। महाकुंभ के दौरान 45 दिन तक चित्रकूट राजमार्ग पर उमापुर टोल प्लाजा, रीवा राजमार्ग पर गन्ने टोल, मीरजापुर मार्ग पर मुंगारी टोल, वाराणसी मार्ग पर हंडिया टोल, कानपुर मार्ग पर कोखराज टोल, लखनऊ राजमार्ग पर अंधियारी टोल, अयोध्या राजमार्ग पर मऊआइमा टोल पर श्रद्धालुओं के वाहनों से टोल नहीं लिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए कुंभ मेला अधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि उन्हीं भारी वाहनों से टोल टैक्स लिया जाएगा, जो कामर्शियल हैं और उन पर माल लदा होगा। उदाहरण के तौर सरिया, सीमेंट, बालू, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रानिक्स समेत अन्य सामान जिन ट्रकों अथवा वाहनों पर लदे होंगे, उनसे टोल लिया जाएगा। सभी तरह के जीप–कार से टोल नहीं लिया जाएगा, चाहे उनका कामर्शियल में ही पंजीयन होगा। इस बार भी महाकुंभ मेला के दौरान निजी वाहनों से आने वाले श्रद्धालुओं से टोल टैक्स नहीं लिया जाएगा। यह छूट पूरे महाकुंभ की अवधि तक रहेगी। इसके लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। पिछले कुंभ 2019 में भी टोल टैक्स नहीं लिया गया था।

अखाड़ों में सदस्यता और महत्वपूर्ण पद प्रदान करने में मातृ शक्ति को मिल रही है प्राथमिकता

प्रयागराज(आरएनएस)। अखाड़े शिव और शक्ति का प्रतीक हैं। मातृ शक्ति को हमेशा को अखाड़ों का पूजनीय माना गया है। सनातन धर्म की ध्वजा फहराने में भी नारी शक्ति भी किसी से पीछे नहीं हैं। प्रयागराज में 2019 में आयोजित कुंभ में देश और प्रदेश में नारी सशक्तीकरण की गूंज का असर देखने को मिला और बड़ी संख्या में महिला संतो को महामंडलेश्वर के पद पर विभूषित करते हुए उनका पट्टाभिषेक किया गया। निर्मोही अनि अखाड़े के सचिव महंत राजेंद्र दास का कहना है कि पिछले कुम्भ मेले में आठ विदेशी महिलाओं को महंत बनाया था। इस महाकुंभ में नारी शक्ति को बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी ताकि अखाड़े के सचिव महंत राजेंद्र दास का कहना है कि चारों दिशाओं में सनातन का प्रचार प्रसार हो सके। विभिन्न अखाड़ों की तरफ से 53 महिला संतो को इस बार महंत व महा मंडलेश्वर बनाने की तैयारी है।

डीएपी की 40: कटौती से खाद किल्लत किसान परेशान– उज्जवल

प्रयागराज(आरएनएस)। सांसद उज्जवल रमण सिंह जमुनापार क्षेत्र के लगातार दौरें में लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए और उनकी समस्या समाधान का प्रयास भी किया लेकिन समस्याएँ बहुत ज्यादा है। पुलिस थाना, तहसील, बिजली तो आम समस्या बनी है क्योंकि अधिकारी निरंकुश हैं जनता की समस्या को कोई सुनने वाला नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने डीएपी खाद की सप्लाई में 40: कटौती से किसानों के लिए डीएपी खाद की किल्लत एक और समस्या बढ़ा दिया है।

सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने बताया कि डीएपी की सरकारी कीमत 1350৳ हैं वो भी सहकारी समितियों पर सप्लाई और डिमांड में आधे का अंदर जिससें समितियां भी परेशान हैं। आये दिन किसानों से नोकझोंक होने की वजह से और वहीं खुले बाजार में 1700 प्रति बोरी वो भी खराब खाद जो फसल को नुकसान पहुंचाती हैं मिलती हैं। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि देकर वाहवाही लूटने वाली भाजपा सरकार किसानों को परेशान करने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं।

सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि 25 नवम्बर से चालू होने वाले लोकसभा के शीतकालीन सत्र में डीएपी खाद की किल्लत को दूर करने के लिए जो सप्लाई में 40: की कटौती का मुद्दा प्राथमिकता पर उठाया जायेगा।

मऊ आइमा सड़क हादसे में घायल दंपत्ति ने भी तोड़ा दम

हादसे में मरने वालों की संख्या तीन हुई

प्रयागराज(आरएनएस)। अयोध्या से दर्शन करके लौटते समय सड़क हादसे के शिकार हुए दंपत्ति की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। इनका उपचार एक निजी अस्पताल में चल रहा था। हादसे में एक दस वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसा मऊआइमा थाना क्षेत्र के जोगापुर गल्ला आढ़त के पास शुक्रवार को भोर में हुआ था। दंपती की मौत के बाद हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या तीन पहुंच गई है।

ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश के रीवा गल्ला मंडी गोविंद गढ निवासी शैलेंद्र कुमार गुप्ता अपने परिजनों और रिश्तेदारों को दो कार से लेकर अयोध्या दर्शन करने गए थे। वापसी के समय भोर में लगभग तीन बजे कार मऊआइमा इलाके के जोगापुर गल्ला आढत के पास आढ तिरछा खडी ट्रकों में कार पीछे से घुस गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को निकाला था।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही शिवांशु गुप्ता (10) पुत्र फूलचंद की मौत हो गई थी, जबकि शैलेंद्र कुमार (45) और उनकी पत्नी कमलेश देवी (40) समेत सात लोग घायल हो गए थे। दंपती की हालत नाजुक बनी हुई थी।

मंडलायुक्त और नगर आयुक्त निकले स्वच्छता के महाअभियान पर

स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त महाकुम्भ के लिए प्रयागराज में शुरू हुआ विशेष सफाई अभियान

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज नगर निगम ने शहर और महाकुम्भ को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए विशेष स्वच्छता महाअभियान कि शुरुआत की है। इसके लिए मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग शुक्रवार शाम को सैकड़ों स्वच्छता मित्रों के साथ सड़क पर निकले। उन्होंने तमाम दुकानदारों से पॉलीथिन जब्त की और उन्हें प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज बनाने के लिए जागरूक किया। साथ ही आगे से प्लास्टिक बैग (पॉलीथिन) का इस्तेमाल न करने की सख्त हिदायत देते हुए, दुकानों पर श्पॉलीथिन मांगकर शर्मिन्दा न करेंश के स्टिकर लगाए।

इससे पहले सिविल लाइंस स्थिति धरना मैदान से मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने सफाई मित्रों का उत्साह वर्धन करते हुए आगामी महाकुंभ को स्वच्छ सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। उसके बाद नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने वहां उपस्थित स्वच्छता मित्रों और मौजूद सैकड़ों लोगों को प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ प्रयागराज बनाने की शपथ दिलाई। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने कहा कि प्रयागराज को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमारा शहर अगर स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त होगा तो महाकुम्भ भी स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त होगा।

नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बताया कि इस महाअभियान के जरिये हमारा प्रयास है कि शहर और महाकुम्भ को स्वच्छ, प्लास्टिक मुक्त और पवित्र बनाये। इसमें हर नागरिक को जुड़ना चाहिए।

रैली में प्लास्टिक राक्षस भी शामिल था, जो सन्देश दे रहा था कि अगर नहीं जागे तो एक दिन मैं सबको खा जाऊंगा। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने के दौरान हरी झंडी दिखाकर विशेष अभियान में शामिल 145 सफाई और अतिक्रमण हटाने से जुड़े वाहनों को रवाना किया। इसमें 8 फोगिंग मशीन, 19 जेसीबी, 15 रोबोट, 18 हाइवा और 16 डम्फर के साथ ही 250 सफाई कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान पत्थर गिरजाघर से सुभाष चौक तक प्रतीकात्मक रूप से अभियान चलाया गया। इसके साथ ही व्यापक रूप से शहर के हर जोन और हर वार्ड में इसकी शुरुआत हो गई है।

इस स्वच्छता महाअभियान में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग, अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव, सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पांडे, जोनल अधिकारी संजय ममगाई सहित नगर निगम के सभी प्रशासनिक, कर्मचारी, बड़ी संख्या में स्वयं सेवक, स्थानीय नागरिक और कई संगठनों से जुड़े लोग शामिल थे।

डा. जगदीश गाँधी मेमोरियल फुटबाल टूर्नामिन्ट के फाइनल में

लामार्टिनियर कालेज एवं ए आर जयपुरिया स्कूल आमने-सामने

लखनऊ, 9 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर प्रथम कैम्पस द्वारा चौक स्टेडियम में आयोजित किये जा रहे चार दिवसीय डा. जगदीश गाँधी मेमोरियल इण्टर–स्कूल फुटबाल

टूर्नामेन्ट का तीसरा दिन आज रोमांच से सराबोर रहा। इस टूर्नामेन्ट के अन्तर्गत आज सेमीफाइनल मुकाबले आयोजित हुए, जिसमें लामार्टिनियर कालेज एवं ए आर जयपुरिया स्कूल की टीमों ने अपने शानदार खेल के दम पर फाइनल में जगह बनाई। अब फाइनल मैच में दोनों टीमें खिताब की दावेदारी के लिए एक–दूसरे के सामने होंगी।इस टूर्नामेन्ट के अन्तर्गत आज खेले गये पहले सेमीफाइनल मैच में सेठ ए आर जयपुरिया स्कूल, गोल्फसिटी ने सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस को 3–0 से हराया। विजयी टीम की ओर से रितेश ने 28वें एवं 30वें मिनट में दो शानदार गोल कर अपनी टीम को 2–0 की बढ़त दिलाई जबकि दिवित ने 40वे मिनटमें निर्णायक गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसी प्रकार, लामार्टिनियर कालेज एवं डेलही पब्लिक स्कूल, जानकीपुरम के बीच खेला गया दूसरा सेमीफाइनल मैच भी बेहद रोमांचक रहा, जिसमें लामार्टिनियर कालेज ने 3–0 की जोरदार जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। लामार्टिनियर की ओर से शार्दूल ने 6ठें मिनट में, आयास ने 21वें मिनट में जबकि हर्ष ने 47वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

स्व. डा. जगदीश गाँधी जयन्ती की पूर्व संध्या पर सी.एम.एस. शिक्षकों व कार्यकर्ताओं ने अर्पित की हार्दिक श्रद्धांन्जलि

विभिन्न धर्मावलम्बियों की उपस्थिति से 'सर्वधर्म समभाव' की भावना से ओतप्रोत हुआ वातावरण

लखनऊ, 9 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के हजारों शिक्षकों व कार्यकर्ताओं ने आज अपने आध्यात्मिक अभिभावक स्व. डा. जगदीश गाँधी की 90वें जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर अपनी भावभीनी

श्रद्धान्जलि अर्पित की। भैंसाकुण्ड के नजदीक स्थित बहाई धर्म स्थल पर आयोजित श्रद्धान्जलि सभा में सी.एम.एस. शिक्षकों व कार्यकर्ताओं ने शिक्षा जगत के महानायक डा. जगदीश गाँधी को न सिर्फ बड़ी शिद्दत से याद किया अपितु उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा भी ग्रहण की। विदित हो कि प्रख्यात शिक्षाविद् एवं समाजसेवी डा. जगदीश गाँधी विगत 22 जनवरी 2024 को पंचतत्व में विलीन हुए। डा. जगदीश गाँधी का सम्पूर्ण जीवन विश्व के दो अरब से अधिक बच्चों के उज्जवल भविष्य को समर्पित रहा है। आपने विश्व एकता व विश्व शान्ति की स्थापना हेतु आजीवन अनवरत प्रयास किये एवं इस दिशा में अनेकों मील के पत्थर स्थापित किये। डा. जगदीश गाँधी का जीवन शिक्षा जगत के नवनिर्माण, भावी पीढ़ी के सर्वांगीण विकास एवं विश्व के ढाई अरब बच्चों के सुरक्षित व सुखमय भविष्य की अनुपम मिसाल है।

इस अवसर पर स्व. डा. जगदीश गाँधी की पत्नी एवं सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका डा. भारती गाँधी ने सर्वप्रथम अर्श्रुपूरित श्रद्धान्जलि अर्पित की। इस अवसर पर स्व. डा. जगदीश गाँधी जी की पवित्र आत्मा की शान्ति की प्रार्थना करते हुए डा. भारती गाँधी ने कहा कि गाँधी जी सदैव हम सबके हृदयों में रहेंगे और उनके विचार हमें निरन्तर प्रेरित करते रहेंगे। डा. जगदीश गाँधी की पुत्री सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने डा. जगदीश गाँधी के प्रिय भजनों का गुणगान किया। प्रो. किंगडन ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि डा. जगदीश गाँधी जी अपने सत्कर्मों से ईश्वर के विशाल साम्राज्य में परम आनन्दित हैं और उनका मार्गदर्शन व आशीर्वाद सम्पूर्ण सी.एम.एस. परिवार को निरन्तर प्राप्त हो रहा है।

अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'स्पर्धा–2024' का भव्य समापन

लखनऊ, नवम्बर 9: सिटी माण्टेसरी स्कूल, आर.डी.एस.ओ. कैम्पस द्वारा आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'स्पर्धा–2024' का भव्य समापन आज रंगारंग शिक्षात्मक कार्यक्रमों व पुरस्कार वितरण के साथ सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में हुआ। चार दिनों तक चले खेलों के इस महाकुंभ में श्रीलंका, नेपाल एवं भारत के विभिन्न प्रान्तों से पधारे 500 से अधिक बाल खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। स्पर्धा–2024 के अन्तर्गत ट्रैक एण्ड फील्ड, बैडमिन्टन, जूडो, कराटे, ब्रश एण्ड बियोण्ड एवं एग्री टु डिसएग्री (वाद–विवाद) प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई, जिसमें देश–विदेश के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का जमकर प्रदर्शन किया।एथलेटिक्स प्रतिस्पर्धाओं की चौम्पियनशिप पर सेंट मारिया गोरेटी इण्टर कालेज, बरेली की टीम ने कब्जा जमाया तो वहीं दूसरी ओर बैडमिन्टन में सेंट मैरी कान्वेन्ट इण्टर कालेज, लखनऊ की टीम चौम्पियन रही। श्रीलंका स्कूल जूडो एसोसिएशन ने जूडो में चौम्पियनशिप जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का परचम लहराया।

इससे पहले, दीप प्रज्वलन समारोह के साथ स्पर्धा–2024 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारम्भ हुआ एवं देश–विदेश के प्रतिभाशाली बाल खिलाड़ियों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया। इस भव्य समारोह में सी.एम.एस. छात्रों ने एक से बढ़कर शिक्षात्मक–साँस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया जबकि देश विदेश के बाल खिलाड़ियों व टीम प्रबन्धकों ने विदा लेने से पहले अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व एकता और विश्व शान्ति को समर्पित इस खेल ओलम्पियाड की भावना को सदैव आगे बढ़ायेंगे।समापन समारोह में बोलते हुए सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने कहा कि खेलकूद की भावना जीवन में मिलजुलकर रहना, सहयोग करना, त्याग और तपस्या करना, हँसते हँसते हार को गले लगाना व विजय में पूरी टीम को साथ लेकर चलना सिखाती है। प्रत्येक खिलाड़ी को खेल की ही भावना से खेलना चाहिए।

इस्कॉन द्वारा गोपाष्टमी महा महोत्सव धूम-धाम से मनाया गया

श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी, मंदिर अध्यक्ष, इस्कॉन, लखनऊ द्वारा बताया गया कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को गोपाष्टमी महोत्सव मनाया जाता है सआज इस्कॉन, लखनऊ मे गोपाष्टमी महोत्सव मनाया गया, जिसमे श्रीमान अपरिमेय श्याम

प्रभु जी ने गोपाष्टमी की कथा मे बताया कि आज ही के दिन भगवान श्रीकृष्ण जी ने गौ चारण लीला प्रारम्भ की थी, वह गायों के पीछे–पीछे नंगे पैर चला करते थे, जिसके कारण सम्पूर्ण वृन्दावन क्षेत्र उनके चरणों से सुशोभित हो गया स श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी जी ने बताया कि गाय हमारी समृद्धि का प्रतीक है, जिस घर मे गाय के लिए प्रत्येक दिवस भोजन निकाला जाता है, उस घर मे धन–धान्य की कभी कमी नहीं होती है, उन्होंने विशेष रूप से बयाया कि गाय के दुग्ध मे इतनी शक्ति होती है कि हमारी बुद्धि अत्यधिक प्रखर हो जाती है कि हम शास्त्रों के गूढ़ रहस्यों को सहजता से समझ सकते हैं, इसलिए हमें बच्चों को विशेष रूप से गाय का दुग्ध ही देना चाहिए स गोपाष्टमी को गौशालाओं को दान देने का पुनीत कार्य हम सबको अवश्य करना चाहिए और गौशाला एवं गौ संरक्षण मे अपना योगदान देना चाहिए सअंत मे मंदिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने सभी को गोपाष्टमी की शुभकामनायें देते हुए उपस्थित पत्रकार एवं छायाकार (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक) बन्धुओं को उनके सतत सहयोग हेतु आभार प्रकट किया ।

धर्म के साथ जैव विविधता के संरक्षण का मंच बनेगा प्रयागराज महाकुंभ

प्रयागराज संवाददाता। भारतीय संस्कृति में धर्म और प्रकृति के बीच पूरकता का संबंध है। प्राकृतिक उपादानों को धार्मिक प्रतीकों के साथ जोड़कर प्रकृति संरक्षण का जो संकल्प हमारी धार्मिक परम्पराओं और विश्वास में निहित है उसे उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और समृद्ध कर रही है। सरकार की इस सोच को धरातल में उतारने के लिए महाकुंभ में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जैव विविधता और प्रकृति संरक्षण का मंच बनेगा महाकुंभ

भारतीय संस्कृति की पहचान प्रकृति संरक्षण की संस्कृति के रूप में भी की जाती है। इस संस्कृति में पेड़–पौधों, नदी–पर्वत, ग्रह–नक्षत्र, अग्नि–वायु सहित प्रकृति के विभिन्न रूपों को धार्मिक प्रतीकों और मानवीय रिश्तों से जोड़कर प्रकृति के संतुलन का जो संदेश छिपा है उसमें पवित्र नदियों के किनारे महाकुंभ जैसे विशाल धार्मिक समागम भी शामिल हैं। इसी संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए प्रदेश की योगी सरकार प्रयागराज महाकुंभ में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन कर

रही है। प्रभागीय वनाधिकारी प्रयागराज अरविंद कुमार बताते हैं कि प्रयागराज महाकुंभ में 1–2 फरवरी, 2025 को बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाना है। इसका प्रस्ताव शासन के पास भेजा जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य प्रकृति और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति युवाओं में जागरूकता पैदा करना है।

इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगाइसके अलावा इसके आयोजन से प्रकृति आधारित इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। आयोजन में उत्तर प्रदेश के जैव विविधता से भरपूर वन्यजीव रिजर्व और अभयारण्यों की जानकारी साझा होगी। वन विभाग यूपी पर्यटन के साथ मिलकर राज्य के जंगल, ऐतिहासिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता के समृद्ध भंडार में खूबसूरत सर्किट बनाने की कार्य योजना में भी मदद मिलेगी। कुंभ की आस्था, प्रकृति संरक्षण और जलवायु परिवर्तन होगी थीम महाकुंभ के आयोजन की वजह से प्रयागराज में इसका आयोजन सुनिश्चित किया गया है। वैसे प्रयागराज पक्षियों की प्रजाति को देखते हुए एक समृद्ध जनपद कहा जाता है जहां विभिन्न पक्षियों की 90 प्रजातियां मौजूद हैं। जिले के कई वेटलैंड इसके लिए आश्रय प्रदान करते हैं। इस बार के बर्ड फेस्टिवल की थीम 'कुंभ की आस्था, प्रकृति संरक्षण और जलवायु' रखी गई है। डीएफओ प्रयागराज के मुताबिक इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव में बर्ड फेस्टिवल के साथ तय की गई थीम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषय विशेषज्ञों के साथ परिचर्चा का आयोजन भी किया जायेगा। कई पैनल डिस्कशन भी होंगे जिसमें साधु संतो को भी शामिल किया जाएगा। आसपास के क्षेत्रों के शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को भी इसमें जगह दी जाएगी। इसमें साइट विजिट की भी योजना शामिल है।

दारुल उलूम में महिलाओं की एंट्री से हटा बैन

सहारनपुर जिले के देवबंद स्थित इस्लामिक शिक्षण संस्था दारुल उलूम में महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया गया है और वे अब कुछ नियम–शर्तों के साथ इस संस्थान में प्रवेश कर सकेंगी। दारुल उलूम में मीडिया प्रभारी अशरफ उस्मानी ने यह जानकारी दी। उस्मानी ने बताया कि गत 17 मई को दारुल उलूम के प्रबंधतंत्र ने दारुल उलूम परिसर में रील बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की शिकायत के चलते यहां महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। उस्मानी ने बताया कि दारुल उलूम प्रबंधतंत्र ने कई दौर की वार्ता के बाद देश–विदेश से आने वाली महिलाओं के दारुल उलूम में प्रवेश को लेकर एक नियमावली तैयार की गयी है जिसका पालन करते हुए महिलाओं का प्रवेश दिया जाएगा।

संस्थान में प्रवेश करने से संबंधित यह नियमावली शुक्रवार शाम से लागू कर दी गयी है। उस्मानी के अनुसार, अब दारुल उलूम प्रबंधन ने संस्थान के परिसर में प्रवेश के लिये आगंतुक (विजिटर) पास जारी करने के लिये एक अधिकारी को नियुक्त किया है। विजिटर पास में आधार कार्ड या वोटर कार्ड या पैन कार्ड फॉर्म संबंधित अधिकारी को दिखाना होगा । फॉर्म के एक कॉलम में विजिटर का नाम, मोबाइल नंबर, पता, घूमने आए सदस्यों (महिला और पुरुष) की संख्या आदि का ब्योरा देना होगा। महिलाओं को संस्था के अंदर प्रवेश करने की इजाजत दिन खत्म होने से पहले यानी सूर्यास्त तक की होगी । मदरसे में प्रवेश करने वाली सभी महिलाओं को हिजाब में रहना होगा।

20 नवंबर से गुनगुने जल से स्नान करेंगे रामलला

अयोध्या संवाददाता। सर्दियों की शुरुआत के साथ अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान श्री रामलला के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। भारतीय परंपरा के अनुसार, देवताओं का भी मौसम के अनुसार ध्यान रखा जाता है। अब इसी परंपरा के तहत 20 नवंबर (अगहन की पंचमी) से रामलला को रजाई ओढ़ाई जाएगी।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास महाराज ने बताया कि जैसे–जैसे सर्दी बढ़ेगी, प्रभु के स्नान, भोग और वस्त्रों में बदलाव किए जाएंगे, ताकि ठंडक का अहसास न हो। उन्होंने बताया कि जैसे हम अपने परिजनों का बदलते मौसम में ध्यान रखते हैं, उसी तरह भगवान श्रीराम की देखभाल होगी। ठंड के आगमन के साथ ही भगवान रामलला की देखभाल में कई बदलाव किए जाएंगे, इसमें गुनगुने जल से स्नान, गर्म भोग और वस्त्र परिवर्तन शामिल हैं।

बता दें कि मंदिर के मुख्य पुजारी पिछले कुछ दिनों से लखनऊ के पीजीआई अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे और अब पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर अयोध्या लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि जैसे ही सर्दी बढ़ती है, वैसे ही मंदिर में भी रामलला के लिए विशेष इंतजाम किए जाते हैं। अगहन की पंचमी से नियमित रूप से भगवान को रजाई ओढ़ाई जाती है, ताकि प्रभु को ठंड न लगे। साथ ही, गुनगुने पानी का उपयोग स्नान में किया जाने लगता है, जिससे श्रीरामलला को शीत से बचाया जा सके। भोग में भी परिवर्तन किया जाता है। ठंड के दिनों में गरम तासीर वाले खाद्य पदार्थों का भोग लगाया जाता है, ताकि प्रभु को मौसम की अनुकूलता के अनुसार भोजन प्राप्त हो। जैसे ही ठंड बढ़ती है, जरूरत पड़ने पर मंदिर में ब्लोअर भी लगाया जाता है, ताकि वहां का वातावरण ठंड न हो।

आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि भारतीय संस्कृति में देवताओं का ऐसा ध्यान रखना परंपरा का एक अनिवार्य हिस्सा है। यह भावना दर्शाती है कि भक्तजन अपने आराध्य के प्रति कैसी निष्ठा और प्रेम रखते हैं।

अब्बास अंसारी गैंग के चार सदस्यों की संपत्ति होगी कुर्क, सपा प्रदेश सचिव फराज खान भी शामिल

अब्बास अंसारी गैंग के सक्रिय सदस्य हैं फराज खान

जेल में अब्बास और उनकी पत्नी निखत की अवैध मुलाकात का है मामला

चित्रकूट।जयराम की दुनिया का बेताज बादशाह रहे माफिया मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी गैंग के चार सदस्यों की संपत्ति कुर्क होगी।चित्रकूट जेल में बंद रहने के दौरान विधायक अब्बास अंसारी और उनकी पत्नी निखत बानो की अवैध मुलाकात के मामले में शामिल चार लोगों की संपत्ति कुर्क होगी।इसमें समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव फराज खान का नाम भी शामिल है।गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज इस मामले में अदालत ने गैंग के सदस्यों की संपत्ति की कुर्की के आदेश दिए हैं।

बताते चलें कि विधायक अब्बास अंसारी सहित पांच लोगों के खिलाफ कोतवाली कर्वी में सितंबर में गैंगस्टर एक्टर के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था।मामले में अदालत ने गैंग के सदस्य सपा प्रदेश सचिव फराज खान और जिला जेल में कैंटीन संचालक रहे नवनीत सचान सहित चार की संपत्ति की कुर्की के आदेश दिए हैं।

शिक्षा शास्त्र विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय में काकोरी ट्रेन एक्शन की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम के तहतकाकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

लखनऊ रूशिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा लखनऊ विश्व विद्यालय में काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित एक प्रदर्शनी का आयोजन किया हुआ सकार्यक्रम की शुरूवात विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश कुमार ने किया। काकोरी ट्रेन एक्शन के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को समझने के लिए विभाग के विद्यार्थियों द्वारा काकोरी ट्रेनएक्शन से संबंधित विभिन्न विषयों पर चार्ट, मॉडल, चित्र संग्रह, ऐतिहासिक दस्तावेज का संकलन, पोस्टर आदि को प्रदर्शित किया गया है। काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित मॉडल ने काकोरी की घटना को जीवंत बना दिया। विभाग के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के चार्ट मॉडल आदि की सराहना की गई। कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर रीना अग्रवाल ने बताया कि इस तरह की प्रदर्शनी से विद्यार्थी आसानी से ऐतिहासिक महत्व को समझ सकते हैं। कार्यक्रम में विभाग के प्रो मुनेश कुमार , प्रो श्रवण कुमार, डॉ नीतू सिंह, डॉ आकांक्षा सिंह, डॉ सूर्य नारायण गुप्ता, डॉ बीना इंद्राणी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जय श्रीराम के उद्घोष के साथ शुरू हुई चौदह कोसी परिक्रमा

अयोध्या (आरएनएस)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार चौदह कोसी परिक्रमा करने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। यही वजह है कि लाखों श्रद्धालु एक दिन पूर्व ही अयोध्या पहुंच गए। शनिवार शाम को 6 बजकर 32 मिनट पर परिक्रमा आरंभ कर दी। यह अगले दिन मुहूर्त अनुसार रविवार दोपहर बाद 4:44 तक चलेगी। यहां पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने रामनाम संकीर्तन और लोक गीतों के साथ परिक्रमा करते हैं।

उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा की समुचित व्यवस्था के साथ सफाई के बीच परिक्रमा हो, योगी सरकार का इस पर भी विशेष फोकस रहा। ड्रोन कैमरे की देखरेख में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। परिक्रमा मार्ग पर सिर पर आस्था की गठरी लिए नंगे पांव श्रद्धालुओं का सैलाब दिखाई देने लगा है। बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। परिक्रमा मार्गों पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला पुलिस कर्मियों के साथ सादी वर्दी में भी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही ड्रोन से पूरे मेले की निगरानी की जा रही है। परिक्रमा एटीएस की निगरानी में शुरू होगी खास भीड़ भाड़ वाले स्थान परिक्रमा पथ पर सुरक्षा के इंतजाम हैं।अयोध्या में शुरू हुए कार्तिक परिक्रमा मेले में इस बार और भी श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना जताई गई है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को देखते हुए निर्माणाधीन परिक्रमा पथ पर युद्ध स्तर पर काम करते हुए बालू बिछवा दी गई हैं, ताकि नंगे पांव चलने वाले परिक्रमार्थियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। जगह–जगह पर खोया–पाया कैम्प लगाए गए हैं।

14 कोसी परिक्रमा को लेकर अस्थाई 12 प्राथमिक उपचार केंद्र बनाये गए हैं। इनमें हनुमान गुफा, मौनी बाबा, हलकारा का पुरवा, दर्शननगर, अचारी का सगरा, जनौरा, सहादतगंज हनुमानगढ़ी, गुप्तारघाट, अफीम कोठी, अमानीगंज, चकरतीरथ और झुनकी घाट शामिल है। 14 जगहों पर एम्बुलेंस की तैनाती की गई है। पूरे कार्तिक पूर्णिमा मेले के दौरान मेडिकल कालेज और जिला अस्पताल में 20–20 व श्रीराम चिकित्सालय में 10 बेड आरक्षित रखा गया है। परिक्रमा में किसी भी श्रद्धालु को परेशानी न हो, इसके लिए योगी सरकार ने प्रशासन को विशेष निर्देश दिए हैं। प्रशासन भी सुरक्षा, सफाई व मूलभूत संसाधन उपलब्ध करा रहा है। जिला प्रशासन का दावा है कि आने वाले श्रद्धालुओं को बिना किसी असुविधा के पूरे परिक्रमा मेले को संपन्न कराया जाएगा। इधर, 14 कोसी परिकरमा को सकुशल संपन्न कराने के लिए महापौर गिरिशपति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, मंडलायुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह, एसएसपी राजकरण नैयर आदि निरीक्षण करते हुए दिखाई पड़े। धार्मिक मान्यता है कि 14 कोसी परिक्रमा यानी 42 किलोमीटर की परिक्रमा को पूरा करने पर सात जन्मों का पुण्य प्राप्त होता है। अत्यंत प्राचीन और ऐतिहासिक परिक्रमा का आयोजन आज भी अपनी परंपरा के मुताबिक होता है। पूरे परिक्रमा पथ पर संगठनों के शिविर होंगे चाय नाश्ते के साथ अल्पाहार की व्यवस्था होगी, चाहे तो इसका सेवन कर सकते हैं। 14 कोसी परिक्रमा मार्ग को श्रद्धालुओं ने अपनी सुविधा अनुसार नाका हनुमान गढ़ी, नयाघाट, हनुमान गुफा, दीनबंधु नेत्र चिकित्सालय चौराहा, श्री सीताराम आरोग्य निकेतन, रामायणम् आश्रम, श्री रामाज्ञाश्रम, कारसेवक पुरम, श्री सीताराम आश्रम, धूनीवाले बाबा, श्रीरामजन्मभूमि कार्यशाला राम–घाट चौराहा, मानस भवन, श्री हरिधाम महादेवा मंदिर आदि स्थलों से शुरू की। वहीं 14 कोसी परिक्रमा मेला शांतिपूर्वक चले। सभी अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर मुस्तैद रहे। यहां से जुड़ी किसी भी प्रकार की सूचना–जानकारी कंट्रोल रूम में दीध्ली जा सकती है। कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर 9120989195 व 05278–232043, 232044, 46, 47 है। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए इस नंबर पर फोन किया जा सकता है। साथ ही मेला सहायक कौशल किशोर श्रीवास्तव से मोबाइल नंबर 9454402642 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

संपादकीय

बीमार समाज और खराब वातावरण

दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक में लगातार गिरावट जारी है। जो पांच सौ के पार जा चुकी है। वायु प्रदूषण के इस स्तर को खतरनाक से भी खतरनाक वाले स्तर पर बताया जा रहा है।

आंकड़ों के अनुसार राजधानी के आसमान पर धूल की मोटी परत छाई हुई है। दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का पीएम 2.5 बाताया गया, जो वि स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से पैंसठ गुना अधिक खतरनाक पाया गया। इस गंभीरता को इससे समझा जा सकता है कि शून्य से पचास को अच्छा व 51 से सौ को संतोषजनक माना जाता है। जो बढ़ते–बढ़ते 401–450 के बीच गंभीर व 451 से ऊपर बेहद गंभीर माना जाता है।

खबरें हैं कि उन्हें सन संबंधी समस्याओं के अलावा खांसी जैसी समस्याएं आम हैं। गले में खुश्की और खराश की शिकायतें भी खूब की जा रही हैं। दिवाली में जलाए गए पटाखों से उठा धुंआ भी इस अचानक खतरनाक हुई हवा का कारण बताया जा रहा है। पटाखों को प्रतिबंधित करने तथा लगातार जागरूकता फैलाने के बावजूद कोई खास असर होता नहीं नजर आ रहा। सारा दोष आतिशबाजी को देना उचित नहीं है क्योंकि दिवाली के साथ ही हवा की मंद पड़ती गति व लगातार स्मॉग बने रहने के चलते भी वायु प्रदूषण जानलेवा बन गया।दिल्ली–एनसीआर का यह इलाका प्रतिवर्ष इसी मौसम में देश भर में सबसे प्रदूषित के दायरे में आ जाता है। कहा जाता है कि इसके कारणों में वाहनों की हिस्सेदारी 16त्न से अधिक होती है। परंतु पराली के धुएं की भागीदारी बढ़कर 35त्न तक बढ़ गई थी। हरियाणा, पंजाब व उप्र से आने वाली हवाओं को इसका दोषी ठहराया जाता है। जब तक यह स्तर खतरनाक बताया जाता है, दोषारोपण भी उसी गति से बढ़ता रहता है। हवा की गुणवत्ता को सुधारने के प्रति न तो ठोस कदम उठाए जाते हैं, न ही इन चेतावनियों को गंभीरतापूर्वक लिया जाता है। वायु प्रदूषण के चलते इन इलाकों के आधे से अधिक बाशिंदों को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें तो हैं ही। ढेरों लोग बेमौत मारे भी जाते हैं। विचारणीय है कि देश के 72 देशों में वायु गुणवत्ता खराब के दायरे में आने के कारणों की पड़ताल होनी चाहिए। हम अपनी आने वाली नस्लों को बीमार समाज और खराब वातावरण देकर किसी का भला नहीं कर रहे। हम इस गंभीरता पर समय रहते चेते नहीं इसलिए आज इस खतरनाक स्तर को झेलने को मजबूर हैं।

भारत में विकास का अध्याय आगे बढ़ता जाएगा

हाल में लाओस के वियनतियाने में आयोजित आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी और सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे।

इसी तरह हाल में वर्ल्ड बैंक द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट अक्टूबर, 2024 में कहा गया है कि वैंकि चुनौतियों के बीच चीन के प्रोत्साहन उपायों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त होगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

वर्ष 2024 में चीन की विकास दर घट कर 4.0 फीसद होगी जबकि भारत की विकास दर 6.3 फीसद से अधिक रहेगी। वस्तुतरू भारत के पास उपभोक्ताओं का उभरता हुआ विशाल बाजार, युवाओं में जबरदस्त ढंग से आगे बढने की ललक, उद्यमिता की भावना और सुधार का रवैया वैंकि संघर्ष और चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए नये अवसरों का आधार है। गौरतलब है कि विगत 4 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रूस–यूक्रेन और इस्राइल–ईरान युद्ध की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। मोदी ने कहा कि दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

दुनिया में भारत ग्लोबल फिनटेक एडॉप्शन के मामले में पहले क्रम पर है। इंटरनेट उपभोक्ताओं के मामले में दूसरे क्रम पर है। स्टार्टअप के मामले में तीसरे क्रम पर है, और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में चौथे क्रम पर है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और मूडीयज जैसी वैंकि एजेंसियां भी वैंकि आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत को दुनिया की सबसे विसनीय और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ–साथ निवेश के पसंदीदा देश के रूप में देख रही हैं। यद्यपि इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस–यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण वैंकि अर्थव्यवस्था में गिरावट का दौर बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था में वैंकि विश्वास और तेज विकास के मद्देनजर देसी उद्यमियों के साथ वैंकि उद्यमियों के लिए भी बढ़ते अवसरों का परिदृश्य उभर कर दिखाई दे रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल में दुनिया की ख्याति प्राप्त वित्तीय सेवा फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि सितम्बर, 2024 के दौरान भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए खुद को निवेश की पसंदीदा जगह बना लिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी नई रिपोर्ट–2024 में कहा है कि भारत आर्थिक विकास, विदेशी निवेश और नई तकनीकों के उपयोग की ऊंची संभावनाओं वाला देश है। अमेरिका चेंबर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 में अमेरिका की कंपनियों की वैंकि निवेश पसंदगी में भारत का दूसरा स्थान है। इस समय चीन अमेरिकी निवेशकों की प्राथमिकता खोता जा रहा है। इतना ही नहीं, अमेरिका और चीन में बढ़ते तनाव के माहौल में इस समय चीन में कार्यरत 12 लाख करोड़ रु पये निवेश वाली 50 अमेरिकी कंपनियां अपना कारोबार चीन से समेटने की तैयारी में हैं। इन कंपनियों में से 15 कंपनियां भारत में निवेश की तैयारी कर रही हैं।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विगत 23 सितम्बर को प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाली 15 प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के सीईओ को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के बहुआयामी क्षेत्रों में दुनिया के लिए अपार आर्थिक मौके हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि अब भारत को आर्थिक दुनिया के उभरते सितारे के रूप में देखा जा रहा है, जो भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय साख को दर्शाता है। वैंकि राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत भारत की आर्थिक स्थिति से भी मिल रही है। अमेरिका और रूस, दोनों महाशक्तियों के साथ भारत की मित्रता के नये अध्याय दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा एवं भारतीय बाजार में मौके बढ़ा रहे हैं।

निस्संदेह भारत में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, कृषि विकास और बढ़ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था देश–दुनिया के कारोबारियों और निवेशकों के लिए मौकों का नया द्वार खोल रहे हैं। देश में खाद्यान्न उत्पादन ऊंचाई बना रहा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक अब देश की खाद्य सुरक्षा के साथ–साथ वैंकि खाद्य सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने के लिए भारत रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अब भारत दुनिया के खाद्य कटोरे के रूप में रेखांकित हो रहा है। भारत दुनिया के 150 से अधिक देशों को खाद्य पदाथरे के निर्यातक देश के रूप में दुनिया में रेखांकित हो रहा है। भारत दुनिया का आठवां बड़ा कृषि निर्यातक देश बन गया है।

भारत के रतन का जाना...

रतन टाटा जी, भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे। वो विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा जैसे मूल्यों के अडिग प्रतिनिधि थे। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह दुनिया भर में सम्मान, ईमानदारी और विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।आज श्री रतन टाटा जी के निधन को एक महीना हो रहा है। पिछले महीने आज के ही दिन जब मुझे उनके गुजरने की खबर मिली, तो मैं उस समय आसियान समिट के लिए निकलने की तैयारी में था। रतन टाटा जी के हमसे दूर चले जाने की वेदना अब भी मन में है। इस पीड़ा को भुला पाना आसान नहीं है। रतन टाटा जी के तौर पर भारत ने अपने एक महान सपूत को खो दिया है...एक अमूल्य रत्न को खो दिया है।आज भी शहरों, कस्बों से लेकर गांवों तक, लोग उनकी कमी को गहराई से महसूस कर रहे हैं। हम सबका ये दुख साझा है। चाहे कोई उद्योगपति हो, उभरता हुआ उद्यमी हो या कोई प्रोफेशनल हो, हर किसी को उनके निधन से दुख हुआ है। पर्यावरण रक्षा से जुड़े लोग...समाज सेवा से जुड़े लोग भी उनके निधन से उतने ही दुखी हैं। और ये दुख हम सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में महसूस कर रहे हैं।युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य ऐसा नहीं जिसे प्राप्त नहीं किया जा सके। रतन टाटा जी ने सबको सिखाया है कि विनम्र स्वभाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए भी सफलता पाई जा सकती है।रतन टाटा जी, भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे। वो विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा जैसे मूल्यों के अडिग प्रतिनिधि थे। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह दुनिया भर में सम्मान, ईमानदारी और विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। इसके बावजूद, उन्होंने अपनी उपलब्धियों को पूरी विनम्रता और सहजता के साथ स्वीकार किया।दूसरों के सपनों का खुलकर समर्थन करना, दूसरों के सपने पूरा करने में सहयोग करना, ये श्री रतन टाटा के सबसे शानदार गुणों में से एक था। हाल के वर्षों में, वो भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का मार्गदर्शन करने और भविष्य की संभावनाओं से भरे उद्यमों में निवेश करने के लिए जाने गए। उन्होंने युवा आंत्रप्रेन्योर की आशाओं और आकांक्षाओं को समझा, साथ ही भारत के भविष्य को आकार देने की उनकी क्षमता को पहचाना।भारत के युवाओं के प्रयासों का समर्थन करके, उन्होंने नए सपने देखने वाली नई पीढ़ी को जोखिम लेने और सीमाओं से परे जाने का हौसला दिया। उनके इस कदम ने भारत में इनोवेशन और आंत्रप्रेन्योरशिप की संस्कृति विकसित करने में बड़ी मदद की है। आने वाले दशकों में हम भारत पर इसका सकारात्मक प्रभाव जरूर देखेंगे। रतन टाटा जी ने हमेशा बेहतरीन क्वालिटी के प्रॉडक्ट...बेहतरीन क्वालिटी की सर्विस पर जोर दिया और भारतीय उद्यमों को ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित करने का रास्ता दिखाया। आज जब भारत 2047 तक विकसित होने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तो हम ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित करते हुए ही दुनिया में अपना परचम लहरा सकते हैं। मुझे आशा है कि उनका ये विजन हमारे देश की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और भारत वर्ल्ड क्लास क्वालिटी के लिए अपनी पहचान मजबूत करेगा।रतन टाटा जी की महानता बोर्डरूम या सहयोगियों की मदद करने तक ही सीमित नहीं थी। सभी जीव–जंतुओं के प्रति उनके मन में करुणा थी। जानवरों के प्रति उनका गहरा प्रेम जगजाहिर था और वे पशुओं के कल्याण पर केन्द्रित हर प्रयास को बढ़ावा देते थे। वो अक्सर अपने डॉग्स की तस्वीरें साझा करते थे, जो उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा थे। मुझे याद है, जब रतन टाटा जी को लोग आखिरी विदाई देने के लिए उमड़ रहे थे...तो उनका डॉग 'गोवा' भी वहां नम आंखों के साथ पहुंचा था।रतन टाटा जी का जीवन इस बात की याद दिलाता है कि लीडरशिप का आकलन केवल उपलब्धियों से ही नहीं किया जाता है, बल्कि सबसे कमजोर लोगों की देखभाल करने की उसकी क्षमता से भी किया जाता है।रतन टाटा जी ने हमेशा, नेशन फर्स्ट की भावना को सर्वोपरि रखा। 26द्11 के आतंकवादी हमलों के बाद उनके द्वारा मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल को पूरी तत्परता के साथ फिर से खोलना, इस राष्ट्र के एकजुट होकर उठ खड़े होने का प्रतीक था। उनके इस कदम ने बड़ा संदेश दिया कि दृ भारत रुकेगा नहीं...भारत निडर है और आतंकवाद के सामने झुकने से इनकार करता है।व्यक्तिगत तौर पर, मुझे पिछले कुछ दशकों में उन्हें बेहद करीब से जानने का सौभाग्य मिला। हमने गुजरात में साथ मिलकर काम किया। वहां उनकी कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर निवेश किया गया। इनमें कई ऐसी परियोजनाएं भी शामिल थीं, जिसे लेकर वे बेहद भावुक थे।जब मैं केन्द्र सरकार में आया, तो हमारी घनिष्ठ बातचीत जारी रही और वो हमारे राष्ट्र–निर्माण के प्रयासों में एक प्रतिबद्ध भागीदार बने रहे। स्वच्छ भारत मिशन के प्रति श्री रतन टाटा का उत्साह विशेष रूप से मेरे दिल को छू गया था। वह इस जन आंदोलन के मुखर समर्थक थे। वह इस बात को समझते थे कि स्वच्छता और स्वस्थ आदतें भारत की प्रगति की दृष्टि से कितनी महत्वपूर्ण हैं। अक्टूबर की शुरुआत में स्वच्छ भारत मिशन की दसवीं वर्षगांठ के लिए उनका वीडियो संदेश मुझे अभी भी याद है। यह वीडियो संदेश एक तरह से उनकी अंतिम सार्वजनिक उपस्थितियों में से एक रहा है।कैंसर के खिलाफ लड़ाई एक और ऐसा लक्ष्य था, जो उनके दिल के करीब था। मुझे दो साल पहले असम का वो कार्यक्रम याद आता है, जहां हमने संयुक्त रूप से राज्य में विभिन्न कैंसर अस्पतालों का उद्घाटन किया था। उस अवसर पर अपने संबोधन में, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि वो अपने जीवन के आखिरी वर्षों को हेल्थ सेक्टर को समर्पित करना चाहते हैं। स्वास्थ्य सेवा एवं कैंसर संबंधी देखभाल को सुलभ और किफायती बनाने के उनके प्रयास इस बात के प्रमाण हैं कि वो बीमारियों से जूझ रहे लोगों के प्रति कितनी गहरी संवेदना रखते थे। मैं रतन टाटा जी को एक विद्वान व्यक्ति के रूप में भी याद करता हूं – वह अक्सर मुझे विभिन्न मुद्दों पर लिखा करते थे, चाहे वह शासन से जुड़े मामले हों, किसी काम की सराहना करना हो या फिर चुनाव में जीत के बाद बधाई सन्देश भेजना हो।अभी कुछ सप्ताह पहले, मैं स्पेन सरकार के राष्ट्रपति श्री पेड्रो सान्चेज के साथ वडोदरा में था और हमने संयुक्त रूप से एक विमान फैक्ट्री का उद्घाटन किया। इस फैक्ट्री में सी–295 विमान भारत में बनाए जाएंगे। श्री रतन टाटा ने ही इस पर काम शुरू किया था। उस समय मुझे श्री रतन टाटा की बहुत कमी महसूस हुई। आज जब हम उन्हें याद कर रहे हैं, तो हमें उस समाज को भी याद रखना है जिसकी उन्होंने कल्पना की थी। जहां व्यापार, अच्छे कार्यों के लिए एक शक्ति के रूप में काम करे, जहां प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता को महत्व दिया जाए और जहां प्रगति का आकलन सभी के कल्याण और खुशी के आधार पर किया जाए। रतन टाटा जी आज भी उन जिंदगियों और सपनों में जीवित हैं, जिन्हें उन्होंने सहारा दिया और जिनके सपनों को साकार किया। भारत को एक बेहतर, सहृदय और उम्मीदों से भरी भूमि बनाने के लिए आने वाली पीढ़ियां उनकी सदैव आभारी रहेंगी।

राष्ट्र के सुरक्षित डिजिटल भविष्य की दिशा में कदम

तकनीकी प्रगति के साथ पैदा होने वाले खतरों से नागरिकों को बचाने के लिए एक सुदृढ़ साइबर व्यवस्था से लैस भारत का निर्माण करना होगा

भारत में, दूरसंचार की उपयोगिता लोगों को जोड़ने से कहीं बढ़कर है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण उपकरण भी है, जो विकास के हाशिए पर रहने वाले लोगों के उत्थान का काम करता है। पिछले एक दशक में, देश में डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भारी विकास हुआ है। दुनिया में सबसे सस्ते डेटा दरों के साथ, भारत में अब 954.40 मिलियन से अधिक इंटरनेट ग्राहक हैं। इनमें से 398.35 मिलियन इंटरनेट ग्राहक ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। पिछले एक दशक में, ब्रॉडबैंड कनेक्शन 64 मिलियन से बढ़कर 924 मिलियन हो गए हैं। इस व्यापक कनेक्टिविटी ने एक डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है, जो आज हमारे कुल आर्थिक परिदृश्य में 10 प्रतिशत का योगदान देता है। वर्ष 2026 तक इस योगदान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पांचवें हिस्से या 20 प्रतिशत तक पहुंच जाने का अनुमान है। बैंकिंग सेवाएं, केवाईसी सत्यापन, डिजिटल भुगतान और मोबाइल–आधारित प्रमाणीकरण भारत की डिजिटल क्रांति की रीढ़ रहे हैं, जिससे जन धन, आधार, मोबाइल (जेएएम) की तिहरी सेवाओं को फलने–फूलने में मदद मिली है। अकेले अक्टूबर 2024 में, देश में आधार समर्थ भुगतान प्रणाली के माध्यम से 126 मिलियन डिजिटल लेनदेन दर्ज किए गए।

हालांकि, यह डिजिटल क्रांति विकट चुनौतियां भी प्रस्तुत कर रही है। विशेष रूप से, तकनीकी प्रगति के साथ पैदा होने वाले खतरों से हमारे नागरिकों की सुरक्षा की चुनौती। हमारे हाथ में रखे जाने वाले सुविधा के ये उपकरण स्पैम कॉल, घोटाले वाले संदेश, टेलीमार्केटिंग के अनुचित कॉल, फिशिंग घोटाले, नकली निवेश एवं ऋण के अवसरों जैसे साइबर अपराधों के जाल से भी घिरे हैं।एक विशेष चुनौती सामने आई हैरू षडिजिटल अरेस्टष के घोटाले आज चिंताजनक दर से बढ़ रहे हैं। इसकी कार्यप्रणाली के तहत दृ अपराधी सरकारी अधिकारियों के रूप में निर्दोष व्यक्तियों को डराने और जबरन वसूली का कार्य करते हैं। महज वित्तीय नुकसान से परे, ये दुर्भावनापूर्ण कार्यप्रणालियां आजीविका को बाधित करती हैं, विश्वास को खत्म करती हैं और उस आत्मविश्वास को कमजोर करती हैं जो नागरिकों में डिजिटल अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से शामिल होने के लिए आवश्यक है। हालांकि, इन उभरते खतरों के विरुद्ध त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए हमारे अधिकारियों ने पूरी तत्परता दिखाई है। उन्होंने फर्जी तरीकों से हासिल किए गए मोबाइल कनेक्शनों को काट दिया है और 7.6 लाख शिकायतों के माध्यम से 2,400 करोड़ रूपये से अधिक की राशि की हानि को बचाया। यह महज आंकड़ों को ही नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा और सपनों की सुरक्षा को भी दर्शाता है।अब जबकि हम डिजिटल स्पेस की रक्षा के लिए अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं, हमारे नागरिकों के सहयोग के बिना यह एक निरर्थक कवायद साबित होगी। प्रधानमंत्री (पीएम) नरेन्द्र मोदी का हाल ही में नागरिकों से रुको, सोचो और एक्शन लो का आह्वान इंटरनेट की छाया में बढ़ते खतरों को रेखांकित करते हुए तात्कालिकता और दूरदर्शिता को दर्शाता है। यह आह्वान केवल बढ़ते साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रतिक्रिया भर नहीं है, बल्कि एक सतर्क और सक्रिय समाज के निर्माण की दिशा में एक अपील भी है। अपने हालिया श्मन की बात्त्र संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने समर्पित हेल्पलाइन 1930 और पोर्टल के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करने की अनिवार्यता दोहराई। साइबर अपराधियों के विरुद्ध लड़ाई में नागरिकों की भागीदारी पर जोर बेहद अहम है। फिर भी, साइबर अपराधियों ने चालाकी बरतते हुए नई रणनीति विकसित कर ली है और अंतरराष्ट्रीय कॉलों को प्रच्छन्न तरीके से स्थानीय नंबरों (91–––––––––––) के रूप में दुरुपयोग कर रहे हैं। कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) में किया जाने वाला चतुराई भरा यह हेरफेर इन कॉलों को वैध स्थानीय नंबर कॉल के रूप में छिपाना संभव बना देता है, जिससे धोखे का परिदृश्य और भी जटिल हो जाता है।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सक्रिय रूप से हस्तक्षेप करते हुए स्वदेशी रूप से विकसित अंतरराष्ट्रीय इनकमिंग स्पूफ्ड कॉल्स प्रिवेंशन सिस्टम लॉन्च किया है। यह उपकरण एक बड़ा बचाव साबित हो रहा है, जो 86 प्रतिशत नकली कॉलोंदृ लगभग 1.35 करोड़ कॉल प्रतिदिन – को रोक रहा है।

साइबर–सुरक्षित भारत के हमारे दृष्टिकोण के केन्द्र में नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण है। श्संचार साथीत्र प्लेटफॉर्म इस मिशन का प्रतीक है, जिसमें चक्षु जैसे टूल हैं जो उपयोगकर्ताओं को संदिग्ध संदेशों, कॉल और व्हाट्सएप गतिविधियों की रिपोर्ट करने में समर्थ बनाते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का लाभ उठाते हुए, डीओटी ने 2.5 करोड़ से अधिक धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शनों का पता लगाया और उन्हें काट दिया, 2.29 लाख से अधिक मोबाइल हैंडसेटों को ब्लॉक कर दिया, 71,000 विक्रेताओं को ब्लैकलिस्ट कर दिया और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपीएस) के माध्यम से 1,900 अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

युवा, तकनीक–प्रेमी आबादी के लाभ के साथ, हमने विद्यार्थियों को भी जमीनी स्तर की पहल में शामिल किया है। देश भर में कॉलेज के विद्यार्थियों ने संचार मित्र स्वयंसेवकों के रूप में कदम बढ़ाया है। ये स्वयंसेवक समुदायों तक पहुंच रहे हैं और श्संचार साथीत्र पोर्टल के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैला रहे हैं। ये युवा हिमायती नागरिकों को दूरसंचार धोखाधड़ी को रोकने के लिए उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करने में मदद करते हैं। मई 2023 में अपनी स्थापना के बाद से, संचार साथी पोर्टल ने 7.7 करोड़ विजिट और प्रतिदिन औसतन दो लाख उपयोगकर्ताओं के साथ जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। इस पोर्टल ने 12.59 लाख चोरी और खोए हुए मोबाइल फोन का पता लगाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस धारणा को मजबूत करते हुए कि साइबर रक्षा और सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, यह पोर्टल अपने डिजिटल अनुभवों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध नागरिकों के लिए एक आवश्यक संसाधन बन गया है।स्पैम कॉल, अनचाहे एसएमएस और टेलीमार्केटिंग के खतरे से निपटने के एक निर्णायक प्रयास के तहत, भारतीयदूरसंचार नियामकमिलियन से अधिक नंबर काट दिए गए हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज दिन की शुरुआत में कुछ परेशानियां रह सकती है लेकिन धैर्य और संयम से आप उनका समाधान निकाल ही लेंगे।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी मित्र अथवा रिश्तेदार की व्यक्तिगत समस्या को लेकर समाधान निकालेंगे। आज बातचीत करते समय शब्दों के चयन पर बहुत अधिक ध्यान रखें। आज कार्यक्षेत्र में पब्लिक डीलिंग और मार्केटिंग संबंधी कार्यों में व्यस्तता रहेगी।

मिथुन राशि–
आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आपका कोई पूराना दोस्त आपको फोन कर के आपको सरप्राइज देगा, आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कर्क राशि–
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा और साथ ही आपको धन कमाने का नया जरिया भी मिल सकता है।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज कोई व्यक्तिगत कार्य आज संपन्न हो जाने से आप उन गतिविधियों में भी ध्यान दे पाएंगे। घर के बड़े बुजुर्गों की सेवा व देखभाल का पूरा ध्यान रखें।

कन्या राशि–
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज दूसरों के मामलों में ज्यादा टोका–टाकी ना करें और ना ही बिन मांगे सलाह दे। किसी भी प्रकार की भविष्य संबंधी योजनाएं बनाते समय दूसरों के निर्णय की अपेक्षा अपनी सूझ–बुझ को अधिक प्राथमिकता देंगे। आज सकारात्मक माहौल रहेगा।

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज बिना सोचे–समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कोई उलझन जो मन में चल रही है वो आज किसी दोस्त से शेयर करने से दूर हो सकती है। आज आप अपनी योग्यता और मेहनत द्वारा कारोबार में किसी खास काम को आसानी से अंजाम देंगे।

धनु राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपने गुस्से और क्रोध को नियंत्रण करके मामले को बखूबी संभाल लेंगे।

मकर राशि–
आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आपने अब तक जिस सपने को पूरा करने के लिए मेहनत की है उसका रिजल्ट आज आपको मिलने वाला है।

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आप किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिये जा सकते हैं। आज भाइयों के साथ अच्छा ताल–मेल बनाकर रखें। खर्च करते समय अपने बजट का ध्यान भी जरूर रखें।

मीन राशि–
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज अपने खान–पान की तरफ भी आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। आज दिन का अधिकतर समय घर–परिवार की सुख–सुविधा संबंधी वस्तुओं की खरीदारी में ही बीतेगा। किसी दोस्त की समस्या हल करने में आपकी विशेष भूमिका रहेगी।

ट्रंप, यूरोप में हड़कंप, जर्मनी में अचानक क्यों राजनीतिक संकट गहराया, दो–तिहाई वोटर्स चाहते हैं चुनाव

चांसलर ने कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत तक अल्पमत सरकार में उनकी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी शामिल रहेगी। हालांकि संसद में सबसे बड़े विपक्षी गुट के नेता 'क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स' के फ्रेडरिक मर्ज ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान और चुनाव कराने का आह्वान किया है।

6 नवंबर का दिन यूरोप के लिए बदलावों वाला रहा। एक तरफ डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीता। लेकिन ठीक उससी वक्त यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था उस समय राजनीतिक उथल–पुथल में घिर गई जब महीनों की अंदरूनी कलह के बाद स्कोल्ज का तीन–पक्षीय गठबंधन टूट गया। जर्मनी की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार अल्पमत में आ गई। सोशल डेमोक्रेट्स (एसपीडी), ग्रीन्स और फ्री डेमोक्रैट्स (एफडीपी) के गठबंधन के बीच विवाद तब और साफ हो गया, जब चांसलर ओलाफ शॉल्त्स ने वित्त मंत्री क्रिस्टियान लिंडनर को बर्खास्त कर दिया। उनके इस फैसले से बाकी उदारवादी नाराज हो गए और कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। सर्वे में कहा गया है कि चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के सत्तारूढ़ गठबंधन के पतन के बाद लगभग दो–तिहाई जर्मन मतदाता जल्द से जल्द चुनाव चाहते हैं। चांसलर ने कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत तक अल्पमत सरकार में उनकी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी शामिल रहेगी। हालांकि संसद में सबसे बड़े विपक्षी गुट के नेता 'क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स' के फ्रेडरिक मर्ज ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान और चुनाव कराने का आह्वान किया है। शोल्ज ने इस बात पर जोर दिया कि वह 15 जनवरी से पहले विश्वास मत नहीं कराना चाहते हैं। अगले चुनाव की संभावित तारीख के बारे में चांसलर कार्यालय में मर्ज और शोल्ज की बैठक एक घंटे से भी कम समय में समाप्त हो गई, तथा मर्ज वार्ता पर कोई टिप्पणी किए बिना ही चले गए।

राष्ट्रपति फ्रैंक–वाल्टर स्टीनमीयर ने बर्खास्त वित्त मंत्री लिंडनर और 'फ्री डेमोक्रेट्स' पार्टी के दो अन्य मंत्रियों अनुसंधान मंत्री बेट्टीना स्टार्क–वाटजिंगर और न्याय मंत्री मार्को बुशमैन को पद से हटाए जाने की जानकारी दी। मौजूदा गठबंधन में वामपंथी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और पर्यावरणवादी 'ग्रीन' पार्टी है। हालांकि, मर्ज ने जनवरी तक विश्वास मत हासिल करने की शोल्ज की योजना को सख्ती से खारिज कर दिया। शोल्ज की सरकार के पास अब संसद में बहुमत नहीं है, इसलिए वह संभवतः विश्वासमत हार जाएंगे। उस स्थिति में, जर्मनी के राष्ट्रपति 21 दिनों के भीतर संसद को भंग कर सकते हैं और जनवरी में ही चुनाव करवा सकते हैं। कारोबार समर्थक 'फ्री डेमोक्रेट्स' पार्टी के लिंडनर ने कर में वृद्धि या ऋण लेने की सख्त स्व–निर्धारित सीमाओं में बदलाव को अस्वीकार कर दिया था। हालांकि शोल्ज की 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी बड़े पैमाने पर सरकारी निवेश चाहती हैं और उन्होंने कल्याणकारी कार्यक्रमों में कटौती के 'फ्री डेमोक्रेट्स' के प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया था।

इजरायल की पहुंच से कोई दूर नहीं, इस देश में उसके नागरिकों पर हुआ हमला,

गाजा और लेबनान में इस्राइली हमलों को लेकर ऐम्स्टर्डम में पहले से ही तनाव था। सोशल मीडिया पर यहूदियों को निशाना बनाने के आह्वान के बाद ये हिंसा हुई। ऐम्सटर्डम पुलिस ने कहा कि यूरोपा लीग में एजेक्स और मैकाबी तेल अवीव टीमों के बीच मैच में काफी बाधाएं खड़ी हुई। इसमें मैकाबी (इस्राइली) समर्थकों को निशाना बनाकर हिंसा हुई। दंगाइयों ने इस्राइली फैन्स को ढूंढ़कर उन पर हमला किया। पुलिस इस्राइली समर्थकों को बचाकर होटलों तक लाई। इससे पहले मेयर ने स्टेडियम के पास फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन बैन कर दिया था, जिसके बाद हिंसा भड़की।विदेशी धरती पर यहूदियों को निशाना बनाए जाने से हड़कंप मचा है। इजरायलियों पर एक फुटबॉल मैच के बाद यूरोपीय देश निदरलैंड पर हमला किया गया, जिसके कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें फिलिस्तीनी समर्थक लोग इजरायलियों को अकेला पाकर हमला करते दिखे। घटना सामने आने के बाद इजरायली सरकार भी एक्शन में आ गई। इजरायली नागरिकों

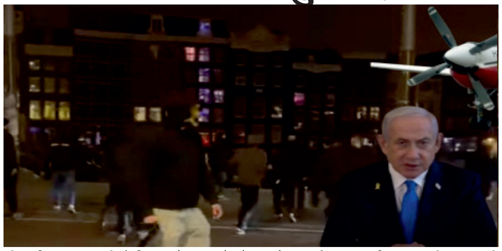

की सुरक्षित वतन वापसी के लिए बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने दो बचाव विमान ऐम्स्टर्डम में भेजे।दरअसल, नीदरलैंड्स की राजधानी ऐम्स्टर्डम में फुटबॉल मैच के बाद यहुदी विरोधी दंगाइयों ने इस्राइली फैन्स पर हमला किया। इसमें 25–30 लोग घायल हुए है, जिनमें से पांच को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिन्हें बाद में छुट्टी दे दी गई। हिंसा से बचाकर इस्राइली प्रशंसकों को वापस लाने के लिए इस्राइली प्रधानमंत्री बेन्यामिन नेतन्याहू ने विमान भेजा और उन्हें वापस तेल अवीव लाए। ऐम्स्टर्डम पुलिस ने हिंसा में अब तक –2 लोगों को गिरफ्तार किया है।गाजा और लेबनान में इस्राइली हमलों को लेकर ऐम्स्टर्डम में पहले से ही तनाव था। सोशल मीडिया पर यहूदियों को निशाना बनाने के आह्वान के बाद ये हिंसा हुई। ऐम्सटर्डम पुलिस ने कहा कि यूरोपा लीग में एजेक्स और मैकाबी तेल अवीव टीमों के बीच मैच में काफी बाधाएं खड़ी हुई। इसमें मैकाबी (इस्राइली) समर्थकों को निशाना बनाकर हिंसा हुई। दंगाइयों ने इस्राइली फैन्स को ढूंढ़कर उन पर हमला किया। पुलिस इस्राइली समर्थकों को बचाकर होटलों तक लाई। इससे पहले मेयर ने स्टेडियम के पास फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन बैन कर दिया था, जिसके बाद हिंसा भड़की।प्रधानमंत्री नेतन्ध्याहू ने वहां कार्गो एयरक्राफ्ट और मेडिकल टीम के साथ रेस्क्यू टीम तैनात करने की तैयारी की है। एमस्टरडैम में इजरायलियों के खिलाफ गंभीर और हिंसक घटनाओं के बाद ष्क्ष् डच सरकार के समन्वय के साथ तुरंत एक बचाव मिशन तैनात करने की तैयारी कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने डच प्रधानमंत्री डिक शूफ और स्थानीय सुरक्षा बलों से दंगाइयों के खिलाफ निर्णायक और तेजी से कार्रवाई करने का आह्वान किया गया है।

मोदी का दोस्त आया, कनाडा घबराया, ट्रूडो ने रातों रात खालिस्तानियों पर कर दिया बड़ा एक्शन

ट्रूडो के रुख में आए इस बदलाव के पीछे प्रधानमंत्री मोदी के दोस्त को माना जा रहा है। जो ट्रूडो कल तक कनाडा में रह रहे खालिस्तानियों के हितों को लेकर मुखर थे, अब कह रहे हैं कि कनाडा में खालिस्तान का समर्थन करने वाले बहुत से लोग हैं। लेकिन वो पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते।कल तक जो ट्रूडो खालिस्तानियों के खैर ख्वाह बने बैठे थे। कल तक जिन ट्रूडो को कनाडा में रह रहे हिंदुओं पर अत्याचार नजर नहीं आ रहे थे। उन जस्टिन ट्रूडो के तेवर अब ढीले पड़ने लगे हैं। उनके तेवर बदलने लगे हैं। कल तक जो ट्रूडो खालिस्तानियों के लिए आंसू बहाते थे वो आज उनके खिलाफ बोल रहे हैं। खालिस्तानियों को लेकर ट्रूडो ने ऐसा कुछ कह दिया, जिससे वहां रह रहे खालिस्तानियों की नींद उड़ गई है। अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस के खालिस्तानी समर्थक गुरवतपंत सिंह पन्नू की नींद ट्रूडो के बयान के बाद से उड़ी हुई है। ट्रूडो के रुख में आए इस बदलाव के पीछे

प्रधानमंत्री मोदी के दोस्त को माना जा रहा है। जो ट्रूडो कल तक कनाडा में रह रहे खालिस्तानियों के हितों को लेकर मुखर थे, अब कह रहे हैं कि कनाडा में खालिस्तान का समर्थन करने वाले बहुत से लोग हैं। लेकिन वो पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। अब सवाल ये है कि आखिर अचानक ट्रूडो को क्या हुआ और उनके तेवर नरम क्यों पड़ने लगे हैं। इसकी बड़ी वजह अमेरिका है। वही अमेरिका जिसे कनाडा अपना बड़ा भाई मानता है। कनाडा में डेमोक्रेट सरकार की विदाई हो गई है। कमला हैरिस चुनाव हार गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के नए बॉस बन गए हैं। ट्रूडो जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कितने अच्छे दोस्त हैं। ट्रंप के चुनाव जीतते ही उन्हें सबसे पहले बधाई देने वाले मोदी ही थे। वहीं ट्रंप ने कहा था कि पूरी दुनिया पीएम मोदी को प्यार करती है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की भी जमकर तारीफ की थी। ट्रंप ने कहा कि भारत के शानदार देश है और पीएम मोदी एक शानदार व्यक्ति हैं। ट्रूडो भी हवा का रुख समझ रहे हैं और अब वो सरेंडर मोड में हैं। इसकी एक वजह और भी है। चुनाव कैंपेन के दौरान डोनाल्ड ट्रंप बांग्लादेश में हिंदओं के साथ हो रही हिंसा का मुद्दा उठा चुके हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि वहां पूरी तरह अराजकता की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मेरे निगरानी में ऐसा कभी नहीं होता। ऐसे में ट्रूडो ये कभी नहीं चाहेंगे कि वो ट्रंप का टारगेट बनें। इन सब के अलावा ट्रंप के सबसे करीबी दोस्त ने ट्रूडो को लेकर एक भविष्यवाणी भी की जिससे ट्रूडो बेहद डरे हुए हैं। एलन मस्क ने उस यूजर को रिप्लाई देते हुए लिखा कि ट्रूडो अगले इलेक्शन में जाने वाले हैं। मस्क के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहुत चर्चा की जा रही है। आपको बता दें कि कनाडा में इसी साल चुनाव होने वाले हैं। साल 2015 से कनाडा के प्रधानमंत्री का पद संभालने वाले ट्रूडो के सामने मुश्किले बड़ी है। हर सर्वे में वो पिछड़ रहे हैं। पार्टी के अंदर ही फूट है। उनके बेतुके बयानों को लेकर भी चर्चा होती रहती है। वो बॉर्डर से अवैध ा घुसपैठ, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर अपने ही घर में घिर चुके हैं। वहीं भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोपों ने भी उनकी छवि खराब की है।

ट्रंप का पहला शिकार ट्रूडो ? कनाडा के लोग क्यों डरे और चिंतित, भारत खुश तो बहुत होगा

जस्टिन ट्रूडो के साथी और खालिस्तानी नेता जगमीत सिंह ने ट्रंप की जीत पर डरते हुए बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कनाडा के बहुत सारे लोग जब सोकर उठे तो वे डरे हुए थे, चिंतित थे और कई तो टूट चुके थे। अब समय आ गया है कि हमें कनाडा के हितों के लिए साथ आना होगा। साल 2019 की बात है जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो नाटो देशों के एक सम्मेलन में ट्रंप की बेइज्जती करते हुए कैमरे में कैद हो गए थे। लेकिन उस समय जस्टिन ट्रूडो को शायद अंदाजा नहीं था कि अमेरिका की सत्ता में एक बार फिर से उनकी वापसी हो जाएगी। अब डोनाल्ड ट्रंप के जीत वाले डांस को देखकर कनाडा में हड़कंप मच गया है। अमेरिका में चुनावी नतीजे आने के बाद कनाडा से जो बयान आया है, उसे सुनकर तो ऐसा ही लग रहा है कि कनाडा डोनाल्ड ट्रंप का पहला शिकार बनने वाला है। डोनाल्ड ट्रंप अपनी बेइज्जती करने वाले जस्टिन ट्रूडो से बदला तो जरूर लेंगे। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि इससे भारत का भी बदला पूरा हो जाएगा। जस्टिन ट्रूडो के साथी और खालिस्तानी नेता जगमीत सिंह ने ट्रंप की जीत पर डरते हुए बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कनाडा के बहुत सारे लोग जब सोकर उठे तो वे डरे हुए थे, चिंतित थे और कई तो टूट चुके थे। अब समय आ गया है कि हमें कनाडा के हितों के लिए साथ आना होगा। मुझे लगता है कि ट्रंप का जीतना कनाडा के लोगों पर गंभीर प्रभाव डालेगा। हमारी नौकरियों और अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ने वाला है। दरअसल, ये डर इसलिए है कि खालिस्तानी नेता और जस्टिन ट्रूडो ये जानते हैं कि ट्रंप उनका क्या हाल करने वाले हैं। खालिस्तानी और ट्रूघ्डो ये भी जानते हैं कि ट्रंप और मोदी की दोस्ती बेहद गहरी

है। खालिस्तानी आतंकी निज्जर और पन्नू के मुद्दे पर ट्रूडो और बाइडेन सरकार एक साथ थी। लेकिन बाइडेन अब जा चुके हैं। कनाडा अब बेवजह भारत पर बेबुनियाद आरोप नहीं लगा पाएगा। कनाडा से भारत के टकराव और आतंकी पन्नू को लेकर भारत और अमेरिका के रिश्ते में टकराव दिख रहा है। जबकि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए भारत और अमेरिका की दोस्ती ज्यादा मजबूत नजर आई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नीतियां अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी से काफी मेल खाती हैं, ऐसे में ट्रंप के आने से भारत को कनाडा पर दबाव बनाने में मदद मिलेगी।कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने अमेरिका चुनाव में ट्रंप की जीत के बाद उन्हें बधाई देने के लिए फोन किया था। इस बातचीत के दौरान न केवल ट्रूडो ने ट्रंप को बधाई दी बल्कि आगे की रणनीति और दोनों देशों के बीच रिश्तों को मजबूत करने की कोशिश की और व्यापार को बढ़ाने के लिए हाथ बढ़ाया। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान एक बार ट्रूडो को कमजोर और बेईमान कहा था।

पाकिस्तान के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुआ घातक विस्फोट, 20 लोगों की मौत, कई घायल

क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर एक भयानक विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। यह विस्फोट भीड़भाड़ वाले प्लेटफॉर्म पर हुआ। पाकिस्तान शनिवार की सुबह क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर एक भयानक विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज़्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। यह विस्फोट भीड़भाड़ वाले प्लेटफॉर्म पर हुआ, जब यात्री स्टेशन से रवाना होने वाली दो प्रमुख ट्रेनों में से एक, जफर एक्सप्रेस में सवार होने की तैयारी कर रहे थे।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जफर एक्सप्रेस सुबह 9रू00 बजे पेशावर के लिए रवाना होने वाली थी, लेकिन विस्फोट होने के समय वह अभी प्लेटफॉर्म पर नहीं पहुँची थी, जिससे संभवतः और अधिक हताहत होने से बचा जा सके। विस्फोट प्लेटफॉर्म के पास स्टेशन के बुकिंग ऑफिस को निशाना बनाकर किया गया, जहाँ सुबह–सुबह ट्रेनों के आने की उम्मीद में भीड़ जमा हो गई थी। विस्फोट के प्रभाव से स्टेशन में हड़कंप मच गया, जिससे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई और वे सुरक्षित बचने के लिए इधर–उध ार भागने लगे।आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और घायलों को क्वेटा के सिविल अस्पताल में पहुँचाया। अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है, तथा बड़ी संख्या में हताहतों की देखभाल के लिए अतिरिक्त चिकित्सा कर्मचारियों को बुलाया गया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि घायलों में से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।हमले के जवाब में, कार्यवाहक राष्ट्रपति सैयद यूसुफ रजा गिलानी ने अपराधियों की निंदा की, तथा निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने के लिए उन्हें ष्मानवता का दुश्मनष करार दिया। उन्होंने आतंकवाद से निपटने तथा

जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया।बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी हमले की निंदा की तथा संबंधित अधि ाकारियों को घटना की गहन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि प्रांतीय सरकार बलूचिस्तान के सामने आने वाली सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। जैसे–जैसे जांचकर्ता विस्फोट के पीछे के कारण तथा उद्देश्य का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं, क्षेत्र में आगे के हमलों को रोकने के लिए प्रमुख पारगमन बिंदुओं पर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। अधिकारी बम निरोधक इकाइयों के साथ भी समन्वय कर रहे हैं, ताकि साक्ष्य एकत्र किए जा सकें तथा विस्फोट की प्रकृति के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। यह हमला बलूचिस्तान में जारी सुरक्षा चिंताओं की एक और याद दिलाता है, एक ऐसा प्रांत जिसने हाल के वर्षों में लगातार अशांति और हिंसा देखी है। सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्र से आतंकवाद के अभिशाप को खत्म करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने की कसम खाई है।

पाकिस्तान में दिल दहलाने वाला धमाका, बिछ गई लाशें, मचा हड़कंप

क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक (एसएसपी) ऑपरेशन मोहम्मद बलूच ने कहा कि घटना आत्मघाती विस्फोट प्रतीत होती है। लेकिन यह निश्चित रूप से कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। पत्रकारों से बात करते हुए, एसएसपी बलूच ने कहा कि घटनास्थल पर ष्लगभग 100 लोगष मौजूद थे, डॉन न्यूज ने उनके द्वारा देखे गए फुटेज का हवाला देते हुए बताया। पाकिस्तान के बलूचिस्तान से बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। पाकिस्तान के क्वेटा में जोरदार धमाका हुआ है। क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुए ध ामाके में 21 लोगों के मौत की जानकारी मिल रही है। धमाके में कई शख्स घायल भी हुए हैं। घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बलूचिस्तान की राजध ानी क्वेटा जो लगातार हमलों से दहलती रहती है। अबकी बार स्टेशन के पास ब्लास्ट हुआ है। जैसे ही धमाका हुआ वहां पर हड़कंप मच गया। हालांकि किसी आतंकी संगठन ने अभी इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। मौके पर पुलिस प्रशासन पहुंच चुका है। फिलहाल 21 लोगों के मौत की खबर है। मौत का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। 46 से अधिक अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के समय एक ट्रेन प्लेटफॉर्म से पेशावर के लिए प्रस्थान करने के लिए तैयार थी।क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक (एसएसपी) ऑपरेशन मोहम्मद बलूच ने कहा कि घटना आत्मघाती विस्फोट प्रतीत होती है। लेकिन यह निश्चित रूप से कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। पत्रकारों से बात करते हुए, एसएसपी बलूच

ने कहा कि घटनास्थल पर ष्लगभग 100 लोगष मौजूद थे, डॉन न्यूज ने उनके द्वारा देखे गए फुटेज का हवाला देते हुए बताया। एक वरिष्ठ पुलिस अधि ाकारी मोहम्मद बलूच ने कहा कि बम विस्फोट तब हुआ जब यात्री अशांत बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा से रावलपिंडी के गैरीसन शहर की यात्रा के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने एक बयान में कहा कि पुलिस और सुरक्षा बल घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। शाहिद रिंद ने कहा कि विस्फोट की प्रकृति की जांच की जा रही है क्योंकि बम निरोधक दस्ता घटनास्थल से सबूत इकट्ठा कर रहा है और घटना पर एक रिपोर्ट मांगी गई है। शाहिद रिंद ने कहा कि हमले में मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है क्योंकि कुछ घायल यात्रियों की हालत गंभीर बताई गई है। डॉन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी अधिकारी ने कहा कि वहां के अस्पतालों में श्आपातकालश् लागू कर दिया गया है, घायलों को चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है।

नेपाल में सड़क दुर्घटना में एक भारतीय समेत पांच लोगों की मौत

दुर्घटना में जान गंवाने वाले पांच लोगों में गंडकी प्रांत के कास्की जिले के पोखरा शहर के निवासी भारतीय नागरिक कुमार शाह भी शामिल हैं। मृतकों में इलेक्ट्रिक वाहन का चालक भी शामिल है।नेपाल के बागमती प्रांत में शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में एक भारतीय समेत पांच लोगों की मौत हो गई।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना तब हुई जब राष्ट्रीय राजमार्ग के नारायणगढ़–मुगलिंग खंड पर चितवन जिले के सताराकिलो क्षेत्र में एक बस और एक इलेक्ट्रिक वाहन में आमने–सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना में जान गंवाने वाले पांच लोगों में गंडकी प्रांत के कास्की जिले के पोखरा शहर के निवासी भारतीय नागरिक कुमार शाह भी शामिल हैं। मृतकों में इलेक्ट्रिक वाहन का चालक भी शामिल है। पुलिस ने कहा कि घटना में गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति का मेडिकल कॉलेज में इलाज किया जा रहा है।

एफबीआई ने डोनाल्ड ट्रंप को निशाना बनाकर रचे जा रहे हत्या के ईरानी षड्यंत्र को विफल किया – अमेरिका

ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के एक अधिकारी (जिसका नाम ज्ञात नहीं है) ने सितंबर में अपने संपर्क वाले एक व्यक्ति को ट्रंप पर नजर रखने और अंततः उनकी हत्या करने का षड्यंत्र बनाने का निर्देश दिया था। अमेरिका के विधि मंत्रालय ने नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या किए जाने की ईरान की नाकाम साजिश के संबंध में शुक्रवार को आपराधिक आरोपों की घोषणा की। मैनहट्टन में संघीय अदालत में दायर एक आपराधिक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के एक अधिकारी (जिसका नाम ज्ञात नहीं है) ने सितंबर में अपने संपर्क वाले एक व्यक्ति को ट्रंप पर नजर रखने और अंततः उनकी हत्या करने का षड्यंत्र बनाने का निर्देश दिया था।

जसप्रीत बुमराह के इस रिकार्ड पर अर्शदीप–हार्दिक की नजरें, बस करना होगा ये काम

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जारी कैलेंडर ईयर में सातवीं बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 202 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 141 रन ही बना सकी। अफ्रीका की टीम 13 गेंद पहले ही ऑलराउंडर हो गई। वरुण और रवि ने 3–3 विकेट चटकाए, जबकि आवेश खान को दो और अर्शदीप को एक विकेट मिला। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चार मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम ने आसानी से जीता। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जारी कैलेंडर ईयर में सातवीं बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 202 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 141 रन ही बना सकी। अफ्रीका की टीम 13 गेंद पहले ही ऑलराउंडर हो गई। वरुण और रवि ने 3–3 विकेट चटकाए, जबकि आवेश खान को दो और अर्शदीप को एक विकेट मिला। इस सीरीज में अर्शदीप और हार्दिक के पास जसप्रीत बुमराह का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है।

डरबन नें धमाकेदार प्रदर्शन के बाद संजू सैमसन ने किया खुलासा, कहा– ये सपोर्ट नहीं मिलता तो गर्त में...

संजू सैमसन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शुरू में लगातार असफलताओं के कारण उन्हें अपनी क्षमता पर संदेह हो गया था लेकिन कप्तान और कोच के समर्थन से वह मजबूत वापसी करने में सफल रहे।भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शुरू में लगातार असफलताओं के कारण उन्हें अपनी क्षमता पर संदेह हो गया था लेकिन कप्तान और कोच के समर्थन से वह मजबूत वापसी करने में सफल रहे। सैमसन ने शुक्रवार को डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 50 गेंद पर 107 रन की शानदार पारी खेली जिससे भारत ने ये मैच 61 रन से जीता।संजू ने इस दौरान कहा कि, मैंने अपने करियर में कई असफलताओं का सामना किया है। मुझे लगता है कि जब आप उस असफलता से गुजरते हैं, तो आपके मन में बहुत सारे संदेह पैदा हो जाते हैं। सोशल मीडिया भी निश्चित तौर पर अपनी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि, लेकिन आप भी खुद के बारे में बहुत कुछ सोचते हैं। संजू, क्या आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए नहीं बने हैं? मुझे लगता है कि आप आईपीएल में अच्छा कर रहे हैं। आप

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं कर रहे हैं? इसलिए मेरे मन में ऐसे बहुत सारे सवाल उठ रहे थे। लेकिन इतने सालों के अनुभव के बाद मुझे पता था कि मैं क्या कर सकता हूं। सैमसन ने कहा कि, अगर मैं क्रीज पर कुछ समय बिताता हूं, तो मेरे पास स्पिन और तेज गेंदबाजों पर शॉट लगाने की क्षमता है और मैं जानता हूं कि मैं निश्चित रूप से टीम के लिए अच्छा योगदान दे सकता हूं। मैं मैच जीत सकता हूं ये भी एक वास्तविकता है। निश्चित रूप से हैं बहुत सारे उतार–चढ़ाव रहे हैं, लेकिन इसका उल्टा भी वास्तव में अच्छा है। मैं खुद से यही कहता रहा।

बीसीसीआई ने रोहित, गंभीर और अगरकर से किए कई सवाल, न्यूजीलैंड से मिली 0–3 से हार पर किया मंथन

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की 0–3 से मिली हार पर बीसीसीआई ने समीक्षा की। इस दौरान मुंबई टेस्ट के लिए रैंक टर्नर का चयन, जसप्रीत बुमराह को आराम देना और गौतम गंभीर की कोचिंग शैली पर भी चर्चा हुई। बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की 0–3 से मिली हार पर समीक्षा की। इस दौरान मुंबई टेस्ट के लिए रैंक टर्नर का चयन, जसप्रीत बुमराह को आराम देना और गौतम गंभीर की कोचिंग शैली पर भी चर्चा हुई। वहीं इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गंभीर के साथ बीसीसीआई सचिव जय शाह और अध्यक्ष रोजर बिन्नी भी मौजूद थे। वहीं हेड कोच गौतम गंभीर ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार सीरीज के दौरान टीम प्रबंधन द्वारा लिए गए कुछ फैसलों के बारे में सवाल पूछे गए। गंभीर की कोचिंग शैली के बारे में भी चर्चा हुई, जो उनसे पहले के कोच राहुल द्रविड़ से बहुत अलग है और टीम किस तरह से इसकी आदत डाल रही है। भारतीय बोर्ड के एक सूत्र के हवाले से पीटीआई ने बताया कि, बीसीसीआई निश्चित रूप से ये सुनिश्चित करना चाहेगा कि टीम वापसी पटरी पर आ जाए। ये जानना चाहेगा कि थिंक–टैंक इस बारे में क्या सोच रहे हैं। वहीं कहा जा रहा है कि, बीसीसीआई टीम ने पुणे में इसी तरह की पिच पर हारने के बाद रैंक टर्नर वाली पिच को क्यों चुना। पीटीआई को बीसीसीआई सूत्र ने बताया कि, बुमराह की अनुपस्थिति पर चर्चा की गई। हालांकि, ये एहतियाती कदम था।

ये 6 घंटे की मैराथन बैठक थी, जो इस तरह की हार के बाद निश्चित रूप से लय थी। भारत ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जा रहा है और अधिकारी इस बात से खुश नहीं थे कि तेज गेंदबाज और टीम के उपकप्तान बुमराह को तीसरे टेस्ट के लिए आराम दिया गया। भारत के इन ट्रैक पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद रैंक टर्नर का चयन करना कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर चर्चा हुई।

थाईलैंड में MS Dhoni का दिखा कूल अंदाज, परिवार संग मना रहे वेकेशन

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जो 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जद्दा शहर में होने वाली है। इस सब से दूर भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे हैं, एमएस धोनी अपने परिवार के साथ थाईलैंड के बीचों का लुत्फ उठा रहे हैं। क्रिकेट से जुड़ा दुनिया का हर शख्स इस समय आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जो 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जद्दा शहर में होने वाली है। इस सब से दूर भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे हैं, एमएस धोनी अपने परिवार के साथ थाईलैंड के बीचों का लुत्फ उठा रहे हैं, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों क्रिकेट के शोर–शराबे से दूर थाईलैंड के फुकेट में अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे हैं। क्रिकेट से ब्रेक लेकर धोनी इन दिनों अपने परिवार के साथ सुकून भले पल बिता रहे हैं। उनकी बेटी जीवा के इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की गई है, जिसमें धोनी ब्लैक स्लीवलेस टी–शर्ट पहने समुद्र के पानी में खड़े हैं। धोनी के चेहरे पर शांति और सुकून साफ दिखाई दे रहा है। उनकी वाइफ साक्षी पिंक स्विमसूट में किनारे पर

खड़ी हैं, जो शायद पानी में उतरने के बारे में सोच रही हैं। ये छोटी छुट्टी धोनी के लिए आईपीएल 2025 से पहले तरोताजा होने का अच्छा मौका है। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले धोनी के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। कई फैंस को चिंता थी कि ये सीजन उनके पंसदीदा कप्तान का आखिरी सीजन हो सकता है। लेकिन इन चर्चाओं पर विराम लगाते हुए 31 अक्टूबर को चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी को अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर रिटेन करने का ऐलान किया। फैंस के लिए ये बड़ी राहत की बात थी।

खतरे में है गौतम गंभीर की कोचिंग, बार्डर–गावस्कर ट्राफी में बस एक गलती और हो जाएगी छुट्टी

वहीं हेड कोच गौतम गंभीर की कोचिंग भी खतरे में दिख रही है। आने वाले दिनों में गौतम गंभीर की अग्निपरीक्षा शुरू होने जा रही है। जिसमें ये कहना गलत होगा कि उनके पास बस एक मौका है जिससे उन्हें खुद को साबित करना पड़ेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में सूपड़ा साफ होने के बाद टीम इंडिया की चारों तरफ आलोचना हो रही है। वहीं हेड कोच गौतम गंभीर की कोचिंग भी खतरे में दिख रही है। आने वाले दिनों में गौतम गंभीर की अग्निपरीक्षा शुरू होने जा रही है। जिसमें ये कहना गलत होगा कि उनके पास बस एक मौका है जिससे उन्हें खुद को साबित करना पड़ेगा। दरअसल, 22 नवंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। जिसमें भारतीय टीम को हर हाल में जीतना होगा, इसी से गौतम गंभीर का पद बच सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद से लगातार उनकी कोचिंग शैली की चर्चा है। अब एक रिपोर्ट भा सामने आई है जिसमें कहा गया है कि अगर टीम इंडिया बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में बुरी तरह से हारती है तो गौतम गंभीर को टेस्ट टीम के हेड कोच के पद से बर्खास्त किया जा सकता है। के मुताबिक, अगर भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ता है तो बीसीसीआई लाल गेंद और सफेद गेंद के दो अलग–अलग कोच रखने की

रणनीति अपना सकता है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अगर गौतम गंभीर से टेस्ट टीम की जिम्मेदारी छीनी जाती है तो उनके रिप्लेसमेंट के रूप में एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को ये जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। हर किसी की नजरें इसी पर होगी कि टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर धमाकेदार कमबैक करे और कंगारूओं की लगातार तीसरी बार उन्हीं की धरती पर हराए। भारत ने पिछले दो ऑस्ट्रेलिया दौरों पर मेजबान टीम को सीरीज में हराया है। अगर टीम इंडिया 5 में से 4 मैच जीतने में कामयाब हो जाती है वह लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी प्रवेश कर सकती है।

ऑस्ट्रेलिया को हराते ही पाकिस्तान ने भारत को पछाड़ा, ये खास रिकार्ड तोड़ा

ऑस्ट्रेलियाई धरती पर वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में ये पाकिस्तान की 41वीं जीत थी, जिसके बाद उसने भारत को खास मामले में पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे ज्यादा वनडे मैच जीतने वाली एशियाई टीम भारत और पाकिस्तान साथ–साथ थी, लेकिन अब पाकिस्तान ने भारत को पीछे छोड़ दिया है। वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 75 वनडे इंटरनेशनल मैच जीते हैं, इसके बाद इंग्लैंड का नाम आता है, जिसने ऑस्ट्रेलिया में 53 मैच जीते हैं। पाकिस्तान तीसरे नंबर पर 41 मैचों मे जीत के साथ है। वहीं भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 40 मैच जीते हैं। एशियाई टीमों में अब पाकिस्तान ने भारत को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला मैच तीन विकेट से जीता था।मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीता और ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 ओवर में ही 163 रनों पर ऑलराउडर हो गई। हारिस राउफ ने पांच विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए। हारिस राउफ ने पांच विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए। वहीं शाहीन अफरीदी ने तीन विकेट निकाले। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 35 रनों का योगदान दिया। स्मिथ

के अलावा किसी और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 20 रन तक नहीं बनाए। 13 से 19 रनों के बीच बाकी बल्लेबाज आउट होते गए। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 26.3 ओवर में ही एक विकेट पर 169 बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। सैम अयूब ने 82 रनों की पारी खेली, वहीं अब्दुल्ला शफीक ने 64 रन बनाए।

क्या पतले दिखना ही फिट होने की निशानी है ? जानिए इसकी सच्चाई

अक्सर यह माना जाता है कि जो लोग पतले होते हैं, वे हमेशा फिट और स्वस्थ होते हैं, लेकिन क्या यह सच में सही है?इस लेख में हम इस बात को समझने की कोशिश करेंगे और जानेंगे कि फिटनेस का असली मतलब क्या होता है।फिटनेस सिर्फ पतला होने से नहीं आती, बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों का ध्यान रखना जरूरी होता है इसलिए केवल वजन देखकर किसी के स्वास्थ्य का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता।वजन और स्वास्थ्य का संबंध वजन और सेहत का सीधा संबंध नहीं होता। कई बार पतले लोग भी अंदरूनी बीमारियों से ग्रस्त हो सकते हैं, जैसे दिल की बीमारी, मधुमेह या उच्च रक्तचाप। पतला होना हमेशा सेहतमंद होने का संकेत नहीं होता।इसके अलावा कई बार मोटे लोग भी पूरी तरह से स्वस्थ हो सकते हैं इसलिए केवल वजन देखकर किसी के स्वास्थ्य का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता।फिटनेस के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत का ध्यान रखना जरूरी है।मांसपेशियों की मजबूती है जरूरी फिटनेस सिर्फ पतला होने से नहीं आती, बल्कि मांसपेशियों की मजबूती भी अहम होती है। अगर आपकी मांसपेशियां मजबूत नहीं हैं तो आप जल्दी थक सकते हैं और चोटिल भी हो सकते हैं।इसके लिए नियमित एक्सरसाइज करना जरूरी है, जिससे आपकी मांसपेशियां मजबूत रहें और आप शारीरिक रूप से सक्रिय रह सकें। लाभ के लिए योग, स्ट्रेचिंग और वेट ट्रेनिंग जैसी एक्सरसाइज बहुत फायदेमंद होती हैं।इससे न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी बल्कि आपका स्टैमिना भी बढ़ेगा। सही खान–पान का महत्वसिर्फ पतला होना ही काफी नहीं, सही खान–पान भी बहुत जरूरी है। अगर आप जंक फूड खाते रहते हैं तो आपका शरीर अंदर से कमजोर हो सकता

है, चाहे आप बाहर से कितने ही पतले क्यों न दिखें।संतुलित आहार लेना बहुत जरूरी है, जिसमें प्रोटीन, विटामिन्स और मिनरल्स शामिल हों।इसके अलावा हरी सब्जियां और फल भी आपके आहार का हिस्सा होने चाहिए ताकि आपका शरीर स्वस्थ और मजबूत बना रहे। मानसिक स्वास्थ्य पर दें ध्यानफिटनेस सिर्फ शारीरिक ही नहीं होती, मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी होता है।तनाव, चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं।योग, मेडिटेशन और अन्य एक्सरसाइज आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।इसलिए यह कहना गलत होगा कि सिर्फ पतले लोग ही फिट होते हैं। असली फिटनेस शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ रहने में होती है।

सर्दियों में अपनी त्वचा को रखें हाइड्रेटेड, स्किन होगी सॉफ्ट

जैसे–जैसे सर्दियों में ठंडी हवाएं चलने लगती है वैसे ही तापमान गिरने लगता है, आपकी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या में सुधार करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। ठंडा और ड्राई मौसम आपकी त्वचा पर कहर बरपा सकता है, जिससे यह ड्राई, परतदार और बेजान हो जाती है। सर्दियों की इन समस्याओं से निपटने के लिए, त्वचा की देखभाल के लिए एक ऐसा आहार अपनाना आवश्यक है जो गहरी हाइड्रेशन और पोषण प्रदान करता हो। अपनी त्वचा को मुलायम और हाइड्रेटेड रखने के लिए इन टिप्स को फॉलो करें। सर्दियों के दौरान सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि अपनी त्वचा को हाइड्रेटेड और मुलायम बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करें।

फिट रखने में सहायक है लेटरल बैंड वाक, जानिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

लेटरल बैंड वॉक एक अहम एक्सरसाइज है, जो कूल्हों की स्थिरता और ताकत को बढ़ाने में मदद करता है।यह एक्सरसाइज खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो दौड़ते, खेलते या काम के कारण लंबे समय तक खड़े रहते हैं।इस लेख में हम लेटरल बैंड वॉक के अलग–अलग पहलुओं पर चर्चा करेंगे और जानेंगे कि इसे कैसे सही तरीके से किया जा सकता है और इसे करते समय क्या–क्या सावधानी बरतनी चाहिए।लेटरल बैंड वॉक का महत्वलेटरल बैंड वॉक कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूत करने का एक बेहतरीन तरीका है।यह ग्लूटस मेडियस और मिनिमस मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जो कूल्हों की स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।इसके नियमित अभ्यास से न केवल चोट लगने का खतरा कम होता है बल्कि शरीर का संतुलन भी बेहतर होता है और चलने–फिरने में आसानी होती है।यह एक्सरसाइज खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो दौड़ते हैं या खेल खेलते हैं।लेटरल बैंड वॉक करने का तरीकालेटरल बैंड वॉक करते समय सही तकनीक अपनाना बहुत जरूरी है।सबसे पहले अपने पैरों के चारों ओर एक रेजिस्टेंस बैंड बांधें और घुटनों को हल्का मोड़ें, फिर धीरे–धीरे एक पैर को साइड में उठाएं और दूसरे पैर को उसके पास लाएं। इस प्रक्रिया को दूसरी दिशा में दोहराएं।ध्यान रखें कि आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और पेट अंदर खींचा हुआ होना चाहिए।

नियमित अभ्यास करें

लेटरल बैंड वॉक का अधिकतम लाभ पाने के लिए इसे नियमित रूप से करना जरूरी है। सप्ताह में कम से कम तीन बार इस एक्सरसाइज का अभ्यास करें।हर सेट में 10–15 कदम लें और धीरे–धीरे इसकी संख्या बढ़ाते जाएं। शुरुआत में हल्के रेजिस्टेंस वाले बैंड का उपयोग करें ताकि आप आसानी से इसे

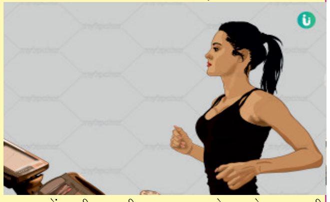

कर सकें।सही तकनीक अपनाना भी जरूरी है ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके और किसी प्रकार की चोट से बचा जा सके। अन्य एक्सरसाइज के साथ संयोजनलेटरल बैंड वॉक को अन्य एक्सरसाइज के साथ मिलाकर करने से इसका प्रभाव बढ़ जाता है।स्क्वाट्स, लंजेस और ग्लूट ब्रिज जैसी एक्सरसाइज भी कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।इन सभी एक्सरसाइज का संयोजन आपके फिटनेस स्तर को बेहतर बनाएगा और आपकी कूल्हों की स्थिरता को और भी बढ़ाएगा।नियमित अभ्यास से न केवल आपकी ताकत बढ़ेगी बल्कि चोट लगने का खतरा भी कम होगा और आपका शरीर संतुलित रहेगा।इस एक्सरसाइज को करते समय बरतें ये सावधानियांलेटरल बैंड वॉक एक सुरक्षित एक्सरसाइज माना जाता है, लेकिन कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है। अगर आपको किसी प्रकार का दर्द या असुविधा महसूस हो तो तुरंत रुक जाएं और किसी विशेषज्ञ से सलाह लें।इसके अलावा शुरुआत में हल्के रेजिस्टेंस वाले बैंड का उपयोग करें ताकि आप आसानी से इसे कर सकें।इस प्रकार लेटरल बैंड वॉक न केवल आपके कूल्हों की स्थिरता बढ़ाता है बल्कि आपके पूरे शरीर की ताकत भी सुधारता है।

अजय देवगन की फिल्म नाम का ट्रेलर रिलीज, अपने अतीत की तलाश में निकले अभिनेता

अजय देवगन इन दिनों फिल्म सिंघम अगेन में नजर आ रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर उनकी यह फिल्म मजबूत पकड़ बनाए हुए है। घटती कमाई के बावजूद उनकी यह फिल्म टिकट खिड़की पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।सिंघम अगेन के सिनेमाघरों में दस्तक देने से पहले ही अजय ने अपनी नई फिल्म नाम का ऐलान किया था। इसके लिए उन्होंने निर्देशक अनीस बज्मी से हाथ मिलाया है, जिसका अब ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।

फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें जहां अजय अपने अवतार और अभिनय से दिल जीत रहे हैं, वहीं अभिनेत्री समीरा रेड्डी को देखकर भी प्रशंसकों का दिल खुश हो जाएगा।उधर ट्रेलर में अभिनेत्री भूमिका चावला की अहम भूमिका निभाती दिख रही हैं। राजपाल यादव भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, वहीं अजय का ऐशन अवतार भी देखने लायक है।अजय का ये अवतार उनके प्रशंसकों को तो यकीनन पसंद आने वाला है।

अनिल रुंगटा इस फिल्म के निर्माता, वहीं भूल भुलैया 3 के निर्देशक अनीस बज्मी इसके निर्देशक हैं।कई बार टलने के बाद अब यह फिल्म 22 नवंबर को बड़े पर्दे पर आने वाली है।यह एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी याददाश्त खो देता है और अपनी पहचान खोजने के लिए यात्रा पर निकल पड़ता है। ट्रेलर में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है।इस फिल्म की शूटिंग स्विट्जरलैंड और मुंबई में हुई है।

अनीस और अजय पहले भी साथ काम कर चुके हैं। 1998 में फिल्म प्यार तो होना ही था के लिए दोनों पहली बार साथ आए थे। 7 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस फिल्म ने 38 करोड़ रुपये कमाए थे।इसके बाद 2002 में उनकी फिल्म दीवानगी भी हिट रही। अनीस और अजय की आखिरी फिल्म हलचल थी, जो 2004 में आई थी और 10 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 32 करोड़ रुपये कमाए थे।

अजय इन दिनों फिल्म आजाद को लेकर भी चर्चा में हैं, जिसके जरिए उनके भांजे अमन देवगन और और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी बॉलीवुड में कदम रख रही हैं।अजय फिल्म रेड 2 भी ला रहे हैं, जिसमें इलियाना डिक्रूज की जगह इस बार उनके साथ अभिनेत्री वाणी कपूर नजर आएंगी। वह सन ऑफ सरदार 2 और शैतान 2 भी दर्शकों के बीच पेश करेंगे।लव रंजन के साथ भी उनकी एक एक्शन फिल्म आने वाली है।

पुष्पा 2 का ट्रेलर हो रहा लोड, फिल्म से आया अल्लू अर्जुन-फहाद फासिल का धांसू पोस्टर

अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 एक महीने बाद 5 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है. फैंस को पुष्पा 2 का बेसब्री से इंतजार है, इसी बीच मेकर्स भी इस फैंस की एक्साइटमेंट को बरकरार रखना चाहते हैं. वे एक के बाद एक अपडेट फिल्म से शेयर कर रहे हैं हाल ही में मेकर्स ने एक ध ांसू पोस्टर शेयर किया है. जिसमें फिल्म के हीरो अल्लू अर्जुन और विलेन फहद फासिल नजर आ रहे हैं. इस पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा– पुष्पा द रूल के लिए एक महीना बाकी है. खुद को तैयार रखें दृ साल की सबसे बड़ी भारतीय फिल्म एक महीने में सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए तैयार है. ट्रेलर जल्द ही धमाका करेगा.

पुष्पा 2 से नया पोस्टर रिलीज करते हुए मेकर्स ने अनाउंस किया कि जल्द ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा. रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फिल्म की टीम नवंबर में शुरू होने वाले 6 शहरों के बड़े दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है. अल्लू अर्जुन 15 नवंबर से पटना, कोच्चि, चौन्नई, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद का दौरा करेंगे. इन 6 शहरों का दौरा 15 नवंबर के आसपास एक मेगा ट्रेलर लॉन्च इवेंट के साथ शुरू होगा. अगर सबकुछ प्लान के मुताबिक रहा तो ट्रेलर लॉन्च इवेंट पटना में होगा.देखा जाए तो बाहुबली 2 के बाद पुष्पा 2 भारतीय सिनेमा का सबसे चर्चित सीक्वल है, और उम्मीद है कि फिल्म कमाई में भी रिकॉर्ड तोड़ेगी. अगर आने वाले 30 दिनों में सब कुछ ठीक रहा, तो पुष्पा 2 अब तक की सबसे बड़ी ओपनर के साथ–साथ भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर हिंदी में नई ऊंचाइयां छू सकती है. फिलहाल दर्शक ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं. बता दें पहले पुष्पा 6 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह 5 दिसंबर को सिनेमा घरों में धमाका करने के लिए तैयार है.दिवाली के मौके पर सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने अपने नए पुष्पा 2रू द रूल पोस्टर के साथ आतिशबाजी शुरू कर दी है, जिसे फैंस के साथ दिवाली मनाने के लिए शेयर किया गया है. पोस्टर में अल्लू अर्जुन अपने पुष्पा राज के किरदार में और रश्मिका अपने श्रीवल्ली अवतार में नजर आ रही हैं. बैकग्राउंड में लग रहा है कि दोनों किचन में हैं और एक–दूसरे की आंखों में देख रहे हैं. नए पोस्टर के आने के साथ ही फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गया है. नए पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा– हैप्पी दिवाली.

कमल हासन के ठग लाइफ की रिलीज डेट आउट, फिल्म से जारी हुआ धांसू टीजर

कमल हासन अपन 70वां बर्थडे बर्थडे पर फैंस को खाली हाथ नहीं जाने दिया है. कमल हासन ने अपने बर्थडे पर अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म ठग लाइफ की रिलीज डेट और उसके टीजर से पर्दा हटाया है. मल्टीस्टारर फिल्म ठग लाइफ पर कमल हासन काफी समय से काम कर रहे हैं. इस फिल्म में कमल हासन के अलावा सिंबू और तृषा कृष्णन जैसे तमिल सुपरस्टार भी है. वहीं, आज ठग लाइफ के मेकर्स ने फिल्म से टीजर, पोस्टर और रिलीज डेट का एलान किया है. कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ के लिए ज्यादा लंबा इंतजार करना पड़ेगा. क्योंकि ठग लाइफ इस साल तो नहीं रिलीज होगी. फिल्म ठग लाइफ 5 जून 2025 को सिनेमाघरों में

आ रही है. ठग लाइफ से आए पोस्टर में कमल हासन और सिंबू का शानदार लुक देखने को मिल रहा है. बता दें, ठग लाइफ को इंडियन सिनेमा के दिग्गज डायरेक्टर मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया है. कमल हासन और मणिरत्नम पूरे 36 साल बाद किसी फिल्म को साथ में लेकर आ रहे हैं. इससे पहले इस जोड़ी ने नायकन फिल्म बनाई थी, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.ठग लाइफ में संगीत के सरताज एआर रहमान का म्यूजिक है. ठग लाइफ की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें कमल हासन, तृषा कृष्णन, नासेर, जोजू जियॉर्ज, अली फजल, ऐश्वर्या लक्ष्मी और अभिरामी अहम रोल में नजर आने वाले हैं. बता दें, इससे पहले कमल हासन को शंकर की फिल्म इंडियन 2 में देखा गया था. इंडियन ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा खासा कलेक्शन किया था. इसके अलावा कमल हासन को प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण स्टारर और नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2898 एडी में बतौर विलेन देखा गया था. कल्कि 2898 एडी में कमल हासन के रोल को खूब तालियां भी मिली थी. कल्कि 2898 एडी मौजूदा साल 2024 की सबसे कमाऊ फिल्म है।

भूल भुलैया 3 ने पार किया 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा, सातवें दिन हुई इतनी कमाई

कार्तिक आर्यन की हॉरर–कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 को ठीक एक सप्ताह पहले सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।पहले दिन से ही फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से इसकी कमाई में काफी उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है।कामकाजी दिनों में फिल्म का हर गुजरते दिन के साथ घटता जा रहा है। अब भूल भुलैया 3 की कमाई के

छठे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भूल भुलैया 3 ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी पहले गुरुवार को 9.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 158.25 करोड़ रुपये हो गया है।भूल भुलैया 3 में कार्तिक की जोड़ी अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जा रहा है। दोनों की केमिस्ट्री को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

भूल भुलैया 3 के निर्देशक अनीस बाज्मी हैं। छोटे पंडित के रूप में राजपाल यादव, पंडिताइन के रोल में अश्विनी कालसेकर और बड़े पंडित के किरदार में संजय मिश्रा की तिकड़ी दर्शकों का जमकर मनोरंजन कर रही है।भूल भुलैया 3 2007 में आई फिल्म भूल भुलैया का तीसरा भाग है। इस फिल्म का सीक्वल 2022 में आया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ।निर्देशन बज्मी ने इस फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त पर मुहर लगा दी है।

बाक्स आफिस पर सिंघम अगेन की दैनिक कमाई में गिरावट जारी, जानिए सातवें दिन का कारोबार

अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा हो गया है।यह फिल्म दिवाली के खास मौके पर यानी 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और शुरुआती तीन दिन इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर धुआंधार कमाई की।हालांकि, पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट लगातार घटती जा रही है।आइए जानते हैं सिंघम अगेन ने सातवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिंघम अगेन ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी पहले गुरुवार को 8.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 173 करोड़ रुपये हो गया है।सिंघम, सिंघम 2, सिंबा और सूर्यवंशी के बाद सिंघम अगेन रोहित के कॉप यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है, वहीं यह फिल्म साल 2011 में आई फिल्म सिंघम की तीसरी कड़ी है। इसका सीक्वल 2014 में आया था। सिंघम अगेन में अजय की जोड़ी करीना कपूर के साथ बनी है। रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे सितारों ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।

द राजा साहब संग तेलुगू फिल्मों में डेब्यू करेंगी मालविका मोहनन, बोलीं– प्रभास से बेहतर कुछ नहीं

तमिल सिनेमा की खूबसूरत अभिनेत्री मालविका मोहनन अब तेलुगू फिल्म में डेब्यू को तैयार हैं। मालविका बाहुबली स्टार प्रभास संग नजर आएंगी।

मालविका मोहनन श्द राजा साहबश्च के साथ तेलुगू फिल्मों में डेब्यू के लिए तैयार हैं। द राजा साहब के बारे में मालविका ने कहा सुपरस्टार प्रभास से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है। मालविका ने कहा श्यह मेरी तेलुगू डेब्यू है और मैंने इसके लिए लंबे समय तक इंतजार किया है। अभिनेत्री ने कहा कि श्मैं चाहती थी कि तेलुगू इंडस्ट्री में कदम रखने के लिए मेरे पास सही फिल्म आए। उन्होंने आगे कहा मुझे लगता है कि प्रभास सर से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है।

रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म श्द राजा साहबश्च के बारे में अभिनेत्री ने कहा बहुत मजेदार फिल्म है, जो दर्शकों को काफी पसंद आने वाला है। मोहनन ने कहा श्यह हल्की–फुल्की फिल्म है और दर्शकों को आकर्षित करेगी, हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभिनेत्री ने कहा द राजा साहब अगले साल अप्रैल में रिलीज हो सकती है, दर्शकों के साथ मैं भी फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही हूं।

मालविका मोहनन इन दिनों श्सरदार 2श्च की शूटिंग में व्यस्त हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभिनेत्री ने फिल्म की एक झलक साझा की। उन्होंने दो तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह एक्शन सीन्स के लिए तैयार होती देखी जा सकती हैं।

पोस्ट में मालविका एक स्टंट के लिए तैयार नजर आईं। अभिनेत्री ने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा और बताया कि चुनौतीपूर्ण सीन्स की शूटिंग कैसे होती है। मालविका ने लिखा श्सरदार 2श्च के लिए कुछ चुनौतीपूर्ण स्टंट सीक्वेंस शूट किए और सोचा कि मैं आप लोगों को दिखाऊं कि हम अपने कॉस्ट्यूम के अंदर जो बचाव के लिए हार्नेस पहनते हैं वह कैसा दिखता है।

थंगालान के कुछ सीन्स के लिए मुझे पहले रस्सी पर काम करना बहुत मुश्किल और कठिन लगता था, लेकिन अब ट्रेनिंग के साथ यह आसान हो गया है। अभिनेत्री ने बताया मुझे हाल ही

में 100 मीटर की ऊंचाई से कूदना पड़ा, जो मजेदार नहीं था। उन्होंने आगे बताया मुझे अब इसमें महारत हासिल है और जब आप तकनीकी और शॉट सही तरीके से करते हैं तो यह बहुत ही रोमांचक हो जाता है। लास्ट में उन्होंने मजेदार अंदाज में कहा लड़कों को ही सारा मजा क्यों मिलना चाहिए!

अलाया एफ ने शार्ट आउटफिट में कराया हाट फोटोशूट, एक्ट्रेस की हाटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस अलाया एफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वे शॉर्ट आउटफिट में नजर आ रही हैं. इस फोटोशूट में अलाया ने सफेद काउच पर किलर पोज दिए हैं, जिससे उनके फैंस काफी प्रभावित हो रहे हैं. तस्वीरों में उनका लाइट मेकअप और खास अंदाज में बंधे हुए बाल उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं. अलाया का यह बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, और फैंस इन तस्वीरों पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं.अभिनेत्री अलाया एफ की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपनी बोल्ड और सेंसुअस अदाओं का जलवा इंटरनेट पर बिखेरती रहती हैं। हालांकि एक बार फिर अलाया एफ की लेटेस्ट हॉट फोटोज देख कर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस अलाया एफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान एक बार फिर बेबाकि से कैमरे के सामने अपने हुस्न का जादू चलाया है। उनका मुड़कर पोज देते हुए कैमरे के सामने कातिलाना अंदाज से देखना फैंस के दिलों पर खंजर चला रहा है। अलाया एफ का यह स्टाइलिश अवतार उनके फैशन सेंस और आत्मविश्वास को दर्शाता है. फैंस ने उनकी तारीफ में लिखा कि उनकी हॉटनेस ने वाकई सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. अलाया एफ के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो एक्ट्रेस ने सैफ अली

खान की फिल्म जवानी जानेमन से बॉलीवुड डेब्यू किया था।

गेम चेंजर के टीजर का इंतजार हो रहा खत्म, राम चरण जल्द देगें फैंस को तोहफा, कियारा आडवाणी का आया मरमेड लुक

राम चरण और कियारा आडवाणी अपनी की आगामी फिल्म गेम चेंजर की रिलीज की तैयारी में जुट गए है. हाल ही में कियारा आडवाणी ने गेम चेंजर के टीजर की तारीख का खुलासा किया है. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत अवतार में अपनी तस्वीरें पोस्ट की है और फिल्म के टीजर डेट से पर्दा उठाया है.कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग साउथ मूवी गेम चेंजर के लिए काफी एक्साइटेड हैं. फिल्म में वे एक बार फिर आरआरआर सुपरस्टार राम चरण के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती दिखेंगी.कियारा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर गेम चेंजर के टीजर के बारे में अपडेट दिया है. उन्होंने इसे अपनी लेटेस्ट तस्वीरों के साथ जोड़ा है.कियारा ने पोस्ट में टीजर के बारे में अपडेट देते हुए लिखा है, आगे क्या होने वाला है, यह देखने के लिए स्वाइप करें. गेम चेंजर टीजर कल (9 नवंबर) आएगा. तस्वीरों की बात करें तो ऑल स्काई ब्लू लुक में पानी के बीच बैठी कियारा किसी मरमेड से कम नहीं लग रही है. पहली तस्वीर में वह हाथ में मोबाइल पकड़े खुले आसमान और पानी के बीच चेयर पर बैठे कैमरे के लिए पोज देती दिख रही हैं. वहीं, दूसरे तस्वीर में वह कातिलाना अदाओं के साथ पोज देती नजर आईं. गेम चेंजर का टीजर आज 9 नवंबर को रिलीज हो रहा है. वहीं फिल्म अगले साल मकर संक्राति के मौके पर 10 जनवरी को रिलीज होगी. फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी अहम भूमिका में हैं. वहीं, एसजे सूर्या, जयराम, अंजलि, श्रीकांत, सुभलेखा सुधाकर, सुनील, नासर जैसे को–स्टार के तौर पर नजर आएंगे.

नानी इंद्राणी ठाकुर का ब्रेन स्ट्रोक से निधन, अभिनेत्री ने पुरानी तस्वीरों के साथ उन्हें किया याद

अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी नानी इंद्राणी ठाकुर के निधन की खबर साझा की। उनकी मौत की खबर के साथ ही कंगना ने उन्हें याद करते हुए कई तस्वीरें और नोट्स भी शेयर किए। अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी नानी इंद्राणी ठाकुर के निधन की खबर साझा की। उनकी मौत की खबर के साथ ही कंगना ने उन्हें याद करते हुए कई तस्वीरें और नोट्स भी शेयर किए। पहली तस्वीर में कंगना अपनी नानी के बगल में बैठी हुई दिखाई दे रही हैं और दोनों हंस रही हैं। उन्होंने हिंदी में लिखा, श्कल रात मेरी नानी इंद्राणी ठाकुर जी का देहांत हुआ। सारा परिवार शोक में है। कृपा उनके लिए प्रार्थना करे।अगली तस्वीर में कंगना ने लिखा, श्मेरी नानी एक असाधारण महिला थीं, उनके 5 बच्चे थे। नाना जी के पास सीमित संसाधन थे, फिर भी उन्होंने सुनिश्चित किया कि उनके सभी बच्चे अच्छे संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करें और उन्होंने जोर दिया कि उनकी विवाहित बेटियों को भी काम करना चाहिए और अपना खुद का करियर बनाना चाहिए, यहां तक घ्कि उनकी बेटियों को भी सरकारी नौकरी मिली, जो उस समय एक दुर्लभ उपलब्धि थी, महिलाओं सहित उनके सभी 5 बच्चों का अपना करियर था, उन्हें अपने बच्चों के करियर पर बहुत गर्व था। तीसरी तस्वीर में, अभिनेत्री ने दावा किया कि वह अपनी दादी के समान हैं, जो श्बहुत ही दुर्लभ पहाड़ी महिलाश थीं। उन्होंने लिखा श्हम अपनी नानी जी के बहुत आभारी हैं, मेरी नानी जी 5 फीट 8 इंच लंबी थीं, जो एक पहाड़ी महिला के लिए बहुत दुर्लभ है। मुझे उनकी ऊंचाई और उनका स्वास्थ्य और चयापचय मिला। उन्होंने लिखा मेरी नानी जी इतनी स्वस्थ और जीवंत थीं कि 100 साल से अधिक उम्र होने के बावजूद भी उन्होंने अपना सारा काम खुद ही किया। कंगना द्वारा साझा की गई आखिरी तस्वीर में वह बिस्तर पर अपनी दादी के बगल में बैठी हुई हैं। कंगना ने लिखा श्कुछ दिन पहले, वह अपने कमरे की सफाई कर रही थीं और उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हो गया। इससे वह बिस्तर पर पड़ गईं और उस हालत में उनके लिए यह बहुत दर्दनाक था। उन्होंने एक शानदार जीवन जिया और हम सभी के लिए एक प्रेरणा बन गईं। वह हमेशा हमारे डीएनए और हमारी शक्ल में रहेंगी और उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 10 नवंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

शिक्षक उन्नयन कार्यशाला का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न

जोगिया सिद्धार्थनगर– ब्लाक संसाधन केंद्र, जोगिया के अन्तर्गत सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल में ब्लाक स्तरीय शिक्षक उन्नयन कार्यशाला उन्मुखीकरण कार्यक्रम मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी कमला प्रसाद उपस्थिति में आयोजित किया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए सबको मिल कर सहयोग करना होगा परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना है इसके लिए सभी लोग मेहनत करे स्पोर्ट ग्रान्ट में जो धनराशि मिलती है उससे खेल का सामान खरीदकर बच्चों को खेलने के लिए दे अभिभावको को जागरूक करते हुये बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराये तथा बच्चे ड्रेस, जूता मोजा पहन कर विद्यालय आयें विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं को ठीक कराना है विकास खण्ड एवं ग्राम पंचायत द्वारा प्राथमिक विद्यालयध्कम्पोजिट विद्यालयों कायाकल्प का कार्य कराया जा रहा है यदि विद्यालय की छत टपक रही है, उसकी मरम्मत हेतु विकास खण्ड को निर्देश दिया गया विद्यालय फण्ड में जो धनराशि मिलती है उससे पेन्टिंग कराये शासन के मंशानुसार जनपद को निपुण बनाना है निपुण सिद्धार्थनगर बनाने हेतु हिन्दी और गणित पर विशेष ध्यान देना है सभी शिक्षक अपनी डायरी भरें तथा विषयवार तैयार करें शासन द्वारा जो एसओपी जारी की गयी है उसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाये सभी शिक्षक को निपुण के लिए शपथ दिलाई गई इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी जोगिया, ए0आर0पी0, विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

बांसी बनकटा बांध पर रेगुलेटर निर्माण का मुख्य विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जयेन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सिंचाई निर्माण खण्ड सिद्धार्थनगर द्वारा बांसी बनकटा बांध पर किमी 0.300 , 1.300, 3.800 पर निर्मित रेगुलेटर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय सहायक अभियन्ता व अवर अभियंता सिंचाई निर्माण खण्ड एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहें सभी रेगुलेटर निर्माण कार्य पूर्ण है, प्राक्कलन के अनुसार रेगुलेटर निर्माण कार्य का सत्यापन किया गया

निरीक्षण में पाया गया कि किमी 1.300 पर रेगुलेटर में मिट्टी पटाई एवं अन्य सुरक्षात्मक कार्य अपूर्ण है, तथा किमी 0.300 एवं 3.800 पर कुछ दूरी में मिट्टी कार्य कराया जाना अवशेष है सहायक अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि एक माह में सभी रेगुलेटर पर मिट्टी पटाई का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें ।

शासन के आदेश पर ग्राम पंचायत में चकबंदी कराने को लेकर उपजिलाधिकारी को किया गया निर्देशित

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जनपद सिद्धार्थनगर में तहसील क्षेत्र–डुमरियागंज के तीन ग्राम राउतडीला एहतमाली तप्पा करही, पुरैना तप्पा वैनिया तथा वेतनार एहतमाली, परगना रसूलपुर एवं तहसील क्षेत्र नौगढ़ के दो ग्राम जगमोहनी तथा विशुनपुर परगना नौगढ़ में चकबन्दी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र ध विज्ञप्ति संख्या–4479 एवं 4480ध्जी0–610/2024–25(5) दिनांक 06 सितम्बर, 2024 द्वारा चकबन्दी प्रक्रिया के अन्तर्गत विज्ञप्ति ध गजट जारी कर चकबन्दी क्रियायें आरम्भ किया गया है। सम्बन्धित उपजिलाधिकारी उक्त ग्रामों के राजस्व लेखपाल को निर्देशित कर संबंधित ग्राम के अभिलेख एवं बस्ता सम्बन्धित चकबन्दी लेखपाल को तत्काल उपलब्ध कराये जिससे शासन की मंशा के अनुरूप उपरोक्त ग्राम में चकबन्दी प्रक्रियायें सुचारू रूप से प्रारम्भ की जा सके। इस बात की जानकारी बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी,सिद्धार्थनगर द्वारा दिया गया है।

सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का किया गया आयोजन

भूमि विवाद और नाली ज्यादातर मामले आये सामने

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है आज थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में थाना लोटन में थाना समाधान दिवस का कार्यक्रम का आयोजन किया गया सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर आने वाले शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को जिलाधिकारी द्वारा सुना गया ज्यादातर प्रकरण भूमि विवाद एवं नाली से संबधित था समस्त राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल को निर्देश दिया गया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा आदि के जो प्रकरण हैं उनका मौके पर जाकर सही ढ़ग से निस्तारण करायें किसी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाये जिलाधिकारी की उपस्थिति में थाना समाधान दिवस के अवसर पर जो भी प्रकरण प्रस्तुत हुए जिलाधिकारी ने हल्का लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक को निर्देश दिया कि आज और कल सभी हल्का लेखपाल राजस्व निरीक्षक को साथ लेकर मौके पर जाकर नाली का विवाद, चकमार्ग का विवाद व जमीन बटवारा व अवैध कब्जाध्पट्टा प्रकरणो को ग्रामवासियों का बयान लेकर निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित कराए आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल के साथ मौके पर जाये अधिकतम प्रकरणो को निस्तारण कराकर ही लौटे, प्रकरण लम्बित कदापि न रखा जाये यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक मार्ग पर अवैध रूप से कब्जा किया है तो उसके विरूद्ध हल्का लेखपाल मुकदमा दर्ज कराये।इस दौरान उपजिलाधिकारी नौगढ़ ललित कुमार मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक लोटन व अन्य अधिकारीध्कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

विधिक सेवा दिवस पर जिला जेल व संप्रेक्षण गृह में हुए कार्यक्रम

–बाल अपचारियों के बीच कराई गई गणित की प्रतियोगिता

चित्रकूट(आरएनएस)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जनपद न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष विकास कुमार प्रथम के दिशा निर्देशों के अनुपालन में शनिवार को प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनुराग कुरील की अध्यक्षता में विधिक सेवा दिवस के अवसर पर राजकीय सम्प्रेक्षण गृह व जिला कारागार में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रभारी जनपद न्यायाधीश ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस प्रतिवर्ष नौ नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिन न्याय तक समान पहुच के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने पर जोर देता है। कानूनी सेवा दिवस का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को न्याय व कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। आज भी समाज में कई ऐसे वर्ग है जिनके लिए कानूनी प्रक्रिया को समझना और न्याय तक पहुँचना कठिन है। ऐसे में कानूनी सेवा दिवस एक महत्वपूर्ण पहल है। जिसे गरीब वंचित व अशिक्षित नागरिक कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक होते है। मुख्य न्याय रक्षक गया प्रसाद निषाद ने बताया कि कानूनी सेवा दिवस की शुरूआत भारत में 1996 में की गयी थी। इस दिवस के आयोजन पर विशेषकर गरीब व पिछड़े वर्गों को समान व सस्ती कानूनी सेवाएँ प्रदान की जाती है। कानूनी सेवा दिवस भारत के हर नागरिक को न्याय व समानता का अधिकार दिलाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। जिससे देश में न्यायपूर्ण और सशक्त समाज का निर्माण हो सके। इस अवसर पर राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) के अधीक्षक बीर सिंह की उपस्थिति में बाल अपचारियों के बीच सम्पन्न हुयी गणित विषय की प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान सहित आठ बाल अपचारीगण को प्रभारी जनपद न्यायाधीश ने मेडल प्रदान किया। इस अवसर पर सहायक न्याय रक्षक योगेन्द्र सिंह, अधिकार मित्र रामसागर, साकेत सैनी आदि मौजूद रहे।इसी क्रम में प्रभारी जनपद न्यायाधीश ने जिला कारागार रगौली में निरूद्ध बन्दियों के मध्य विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन कर विधिक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यहां से निकलने के बाद अच्छे नागरिक बन सकते हैं। यदि जेल में निरूद्ध रहते हुये भी विभिन्न तकनीकी ज्ञान को सीखकर ऐसा योग्य बना लें कि जेल से रिहा होने के बाद नये पहचान के रूप में समाज में एक सम्मान की जिन्दगी जी सकें और दूसरे को प्रेरणा भी दे। इस दौरान जेल अधीक्षक शशांक पांडेय, उप कारापाल रजनीश कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

कालेज व ब्लाकों में लगाए गए शिविर

चित्रकूट(आरएनएस)। जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि विधिक सेवा दिवस के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज बड़ी मड़ैयन, राजकीय इंटर कॉलेज बरगढ़, त्यागी इंटर कॉलेज एचवारा, तुलसी इंटर कॉलेज राजापुर, स्व लालाभाई पटेल इंटर कॉलेज कपना इटौरा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी पीडी विश्वकर्मा ने बताया कि ब्लाक कर्वी, रामनगर, पहाडी, मानिकपुर, मऊ में विधिक सेवा दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिक्षा में सुधार लाने के लिए ब्लाक स्तरीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

ब्लाक संसाधन केंद्र, लोटन में ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरणध कार्यशाला जिलाधिकारी की अध्यक्षता एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि हम सभी को मिलकर शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना है शिक्षा, चिकित्सा ठीक होगा तो जनपद की अधिकतर समस्यायें ठीक हो जायेगी हमे विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना है जिससे प्राइवेट विद्यालयों के बच्चे सरकारी विद्यालयों में पढ़ेंगे स्पोर्ट ग्रान्ट में जो धनराशि मिलती है उससे खेल का सामान खरीदकर बच्चों को खेलने के लिए दे सभी लोग अतिरिक्त मेहनत करे सभी शिक्षक फार्मल ड्रेस में ही विद्यालय आयेगे, जीन्स, टीशर्ट पहनकर नहीं आयेंगे अभिभावको को जागरूक करते हुये बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराये तथा बच्चे ड्रेस, जूता मोजा पहन कर विद्यालय आयें। विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं को ठीक कराना है खण्ड विकास अधिकारी के माध्यम से प्राथमिक विद्यालयध कम्पोजिट विद्यालयों में सभी क्लासरूम में टाइल्स लगाया जाये इसमें खण्ड शिक्षा अधिकारीध्प्रधानाध्यापक विशेष ध्यान देकर अच्छी गुणवत्ता का टाइल्स लगवायें यदि विद्यालय की छत टपक रही है उसकी मरम्मत हेतु खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया गया विद्यालय फण्ड में जो धनराशि मिलती है उससे पेन्टिंग कराये जिलाधिकारी ने कहा कि मेरे द्वारा विद्यालयों का निरीक्षण किया जाता है तथा प्रत्येक सप्ताह बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा की जाती है जो शिक्षक अच्छा कार्य कर रहे है उन्हे प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा रहा है शासन के मंशानुसार जनपद को निपुण बनाना है निपुण सिद्धार्थनगर बनाने हेतु हिन्दी और गणित पर विशेष ध्यान देना है सभी शिक्षक अपनी डायरी भरें तथा विषयवार तैयार करें जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि शासन द्वारा जो एसओपी जारी की गयी है उसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाये प्रदेश में उप चुनाव के दृष्टिगत दिनांक 29 नवम्बर 2024 को कक्षा 1–3 तथा 30 नवम्बर 2024 को कक्षा 4–8 तक के बच्चों का एन.ए.टी. परीक्षा आयोजित किया जाना है जिसके लिए शिक्षक पूरी मेहनत से बच्चों की तैयारी कराये यह परीक्षा ओ.एम.आर.शीट पर करायी जायेगी। जिसका परीक्षाफल मुख्यमंत्री डैसबोर्ड पर भी अपलोड किया जायेगा जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा में सुधार होगा तभी जनपद में सुधार होगा जिलाधिकारी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इस कार्य में आप सभी का सहयोग प्राप्त होगा सभी शिक्षको द्वारा सहमति दी गयी। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी लोटन अशोक कुमार सिंहध, ए0आर0पी0, विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

मनरेगा पार्क, ओपन जिम का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

लोटन सिद्धार्थनगर–जिलाधिकारी द्वारा विकास खण्ड लोटन के ग्राम पंचायत बस्तिया के मनरेगा पार्क में ओपेन जिम, ध्यान स्थल निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सोलर लाइट, ओपेन जिम, बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समय से पूर्ण कराने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रत्येक सप्ताह मनरेगा द्वारा बनाये जा रहे खेल मैदानध्मनरेगा पार्क की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध करायेगे इसके साथ ही जनपद के सभी मनरेगा पार्कध्खेल मैदान का निरीक्षण करने का निर्देश दिया निरीक्षण के दौरान उपरोक्त के अतिरिक्त जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, खण्ड विकास अधिकारी लोटन, ग्राम प्रधान व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

वन माफियाओ के हौसले बुलंद,सरकारी पेंडो को भी रात के अंधेरे में उड़ा ले गए माफिया

ब्यूरो जोगिया सिद्धार्थनगर–

जिले में वन माफियाओ के हौसले इतने बुलंद है कि सरकारी पेंडो को भी काट कर अपनी झोली भरने में लगे है वन विभाग पेंडो को काटने के लिए ठेकेदारों को परमिट बनवाकर पेंड काटने की परमिशन देती है बड़े पैमाने पर लकड़ी का व्यापार करने वाले ठेकेदार का वन विभाग में रजिस्ट्रेशन होता है जिससे उनको पेंडो को काटने में सहूलियत मिल जाती है कई व्यापारी ऐसे भी होते है जो परमिट कुछ पेंडो की बनवाकर अधिक पेंड विभाग की मर्जी से काट लेते है वही कुछ विभागीय कर्मचारी छोटे व्यापारियों को बिना परमिट के पेंडो को काटने का लाइन देकर अपना लाभ कर लेते है। ऐसा ही एक मामला विकास खण्ड जोगिया के ग्राम सभा खेतवाल तिवारी का भी है जहाँ सिंचाई निर्माण खंड के बूढ़ी राप्ती के बंधे पर लगे भीलोर के दस पेंडो को वन माफिया रात के अंधेरे में काट कर उठा ले गए जिसकी जानकारी ग्रामीणों को भी नही हुई सुबह जब ग्रामीण बंधे पर गए तब पता चला कि कुछ वन माफिया रात में पेंडो को काट ले गए ग्रामीणों ने बताया कि बंधे पर लगे पेंडो का सरकार ने मवाजा पेंड मालिको को देकर अपने अधीन कर लिया था यानी सभी पेंड सरकार थे इसके देख रेख की सम्पूर्ण जिम्मेदारी वन विभाग के साथ साथ सिंचाई निर्माण खंड के जे ई की भी होती है बंधे के किनारे लगे ये पेंड बाढ़ के समय मे कटान को रोकने का काम करते है लेकिन पेंडो को काटकर वन माफिया ग्रामीणों के जान से खिलवाड़ कर रहे है वैसे भीलोर एक छूट प्रजाति का पेड़ है जिसके लिए किसी परमिट की जरूरत नही लेकिन ये पेंड सरकारी थे बिना विभाग की मिलीभगत से इस तरह से पेंडो को काटना असम्भव है। मजे की बात तो ये है कि वन माफिया पेंडो को काट ले गए और वन विभाग को भनक तक नही लगी इस बात की जानकारी जब वन विभाग को हुई तब भी उनके हाथ पेंडो को काटने वालो से कोसो दूर है इस कारनामे से ये बात साफ है कि वन विभाग अपनी जिम्मेदारियों के प्रति कितना सक्रिय है ये सामने नजर आ रहा है अब सवाल ये है कि वन विभाग इन माफियाओ को पकड़कर कार्यवाही कर पायेगी या ये वन माफिया इसी तरह अपने कारनामो को अंजाम देते रहेंगे और विभाग को चुनौती देकर काम करते रहेंगे ये समय ही तय करेगा।

ई–रिक्शा–ट्रैक्टर की भिड़ंत, बालक की मौत, आधा दर्जन घायल

चित्रकूट(आरएनएस)। शिवरामपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम भैसौंधा निवासी चुन्नीलाल की पत्नी शांति, माता बुटुवा, पुत्र पुष्पेंद्र (14), भरतलाल (12) व बेटी काजल (10) शनिवार को कामदनाथ की परिक्रमा लगाकर घर जाने के लिए पीलीकोठी से ई–रिक्शा पर सवार हुए थे। तभी सीतापुर तिराहे के पास बेड़ीपुलिया की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर से ई–रिक्शा की जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें ई–रिक्शा पर सवार सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस से आनन फानन में सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने भरतलाल को मृत घोषित कर दिया। कर्वी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि घटना में शांति, बुटुवा, पुष्पेंद्र, काजल व मनोहरगंज निवासी ई–रिक्शा चालक संतोष कुमार व राजबहादुर घायल हुए हैं। जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। ट्रैक्टर छोड़कर चालक भाग गया है। मृतक बालक के पिता चुन्नीलाल ने बताया कि वह हरियाणा में मजदूरी करते हैं। हर वर्ष की भांति इच्छा नवमी से पहले उनका पूरा परिवार कामदनाथ की परिक्रमा लगाने गया था। वापस घर लौटते वक्त हादसा हो गया।

गैंगेस्टर के घरों में कुर्की की नोटिस चस्पा

चित्रकूट(आरएनएस)। जिला जेल में बंद रहने के दौरान अब्बास अंसारी को उसकी पत्नी निखत बानो को गैर कानूनी ढंग से मिलते रहने पर पकड़ा गया था। मुखबिर की सूचना पर फरवरी 2023 में तत्कालीन एसपी वृंदा शुक्ला ने तत्कालीन डीएम अभिषेक आनंद के रगौली जेल में सादी वर्दी में पहुंचकर छापेमारी की थी। जेल परिसर में ही विधायक अब्बास को एक जेल अधिकारी के कक्ष में अब्बास व निखत को पकड़ा था।

इस मामले में दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी। जांच में इनका सहयोग करने वाले कर्वी के सपा नेता फराज खान, कैंटीन सप्लायर नवनीत सचान, गाजीपुर निवासी चालक नियाज अंसारी और वाराणसी निवासी शहबाज खान को भी पकडकर जेल भेजा गया था। विधायक अब्बास को छोडकर निखत समेत सभी जमानत पर जेल से बाहर हैं।

संगठन हित में ठीक नही होता व्यक्तिवाद कौशलेंद्र

–कहा कि युवा वर्ग से बने यादा से ज्यादा बूथ अध्यक्ष

चित्रकूट(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व अभियान की जिला कार्यशाला जिला पंचायत सभागार में शनिवार को संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने किया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि जिला चुनाव अधिकारी व पूर्व प्रदेश मंत्री कौशलेंद्र पटेल व विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ अनिल यादव मौजूद रहे।जिला चुनाव अधिकारी ने कहा कि मजबूत भारत के लिए सशक्त भाजपा जरूरी है। भाजपा लोकतान्त्रिक मूल्यों की संरक्षक पार्टी है। कोई भी सक्रिय व अच्छा सदस्य पदाधिकारी बनने से न रह जाए। ज्यादा से ज्यादा बूथ अध्यक्ष युवा वर्ग से बने। संगठन पर्व निष्पक्ष व पारदर्शी रूप से सम्पन्न हो। मजबूत और सक्रिय संगठन ही अजेय रहते हैं। मातृशक्ति और युवा शक्ति का संगठन में समायोजन ज्यादा रहना चाहिए। व्यक्तिवाद संगठन हित में ठीक नही होता है।

एक परिवार के तीन सदस्यों में मिले डेंगू के लक्षण

चित्रकूट(आरएनएस)। डेंगू के मरीजों की संख्या में बढ़ती जा रही है। जिला अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों व प्राइवेट अस्पताल में डेंगू के लक्षण वाले मरीज भर्ती हो रहे हैं। शहर के तरौहा मोहल्ला स्थित एक परिवार के तीन सदस्य शंशाक गौतम, नैंसी व अभय का को डेंगू के लक्षण होने पर जिला अस्पताल में परिजनों ने भर्ती कराया। तरौहा निवासी सुजीत ने बताया कि उसके बच्चों के डेंगू के लक्षण पाए जाने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

इसी तरह से जिले के मानिकपुर, मऊ, पहाड़ी, शिवरामपुर कस्बा स्थित सामुदायिक अस्पताल में डेंगू के लक्षण पाए जाने जाने पर मरीज इलाज करने के लिए आ रहे है। सिकरी सानी की भदेइया, गोबरिया की चुनबादी व अयांश, रेहुंटा की अराधना व बरवारा के संदीप को बुखार होने पर भर्ती किया गया है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।